मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 23 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 19, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

एशियाई खेल: मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में बनाई जगह 6

करमा विसर्जन के दौरान कोयल नदी में बड़ा हादसा, पांच की मौत

मृतकों में तीन नाबालिग शामिल, चार शव बरामद; एक की तलाश जारी

संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया में बुधवार सुबह करमा पर्व के विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। करमा पूजा के बाद डाल विसर्जन करने कोयल नदी पहुंचे पांच युवक और बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। हादसे में पांचों की मौत हो गई। मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। सभी मृतक चैनपुर के पतरिया गांव के रहने वाले बताए गए हैं।

घटना बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे की है। जानकारी के अनुसार, करमा पूजा के बाद ग्रामीण करमा डाल का विसर्जन करने के लिए कोयल नदी पहुंचे थे। इसी दौरान पांच लोग नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। कुछ ही देर में वे पानी में लापता हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल नदी में उतरकर खोजबीन शुरू की और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से नदी में तलाशी अभियान चलाया। काफी प्रयास के बाद चार लोगों के शव नदी से बरामद कर लिए गए, जबकि पांचवें की तलाश जारी रही। मृतकों की पहचान पतरिया गांव निवासी बाबूलाल सिंह के पुत्र नीतीश कुमार सिंह (18), पुरानी ठाकुर के पुत्र अमित कुमार ठाकुर (22), संजय सिंह के पुत्र राजा सिंह (12), तिलकधारी पासवान के पुत्र विशाल पासवान (16) तथा सुनील सिंह के पुत्र हेमंत कुमार सिंह (8) के रूप में हुई है। घटना में तीन नाबालिग बच्चों की मौत होने से गांव में मातम पसरा हुआ है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए और नदी में चल रहे खोज एवं बचाव अभियान में सहयोग किया। चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि हादसे में डूबे सभी पांच लोग एक ही गांव के रहने वाले हैं। चार शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए नदी में अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है।

सड़क हादसे में पति की मौत, पत्नी गंभीर

संवाददाता

चंदवा : थाना क्षेत्र के पुराने पोस्ट ऑफिस के समीप मंगलवार की सुबह अमूल दूध लदी टाटा मैजिक और बाइक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे में बाइक सवार हिसरी गांव निवासी पिंटू उरांव (नाम की पुष्टि आवश्यक) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि उनकी पत्नी अशिता देवी गंभीर रूप से घायल हो गयीं।

जानकारी के अनुसार, पिंटू उरांव अपनी पत्नी अशिता देवी के साथ कर्मा पर्व के अवसर पर बच्ची को लेकर कुडू जा रहे थे। इसी दौरान पुराने पोस्ट ऑफिस के समीप विपरीत दिशा से आ रही दूध लदी टाटा मैजिक से उनकी बाइक की टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिंटू उरांव की मौके पर ही मौत हो गयी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गयी। लोगों ने घायल अशिता देवी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। कर्मा पर्व के मौके पर हिसरी गांव में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुराने पोस्ट ऑफिस के समीप सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी चिंता जतायी है।

झुंड से बिछड़े हाथी ने बुजुर्ग दंपती को कुचला, पति की मौत, पत्नी बुरी तरह जख्मी

संवाददाता

गिरिडीह: झुंड से बिछड़कर क्षेत्र में भटक रहे हाथी ने कहर बरपाया। इस बार झुंड से अलग हुए हाथी ने एक बुजुर्ग दंपती को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी बुरी तरह से घायल हो गईं।

घटना पीरटांड थाना क्षेत्र के मंडरडीह (लेढवा) में हुई। मृतक स्थानीय निवासी मंगरा मांझी (70 वर्ष) थे, जबकि घायल महिला का नाम बड़की देवी (65 वर्ष) है। बड़की देवी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

घटना मंगलवार की रात की है। मृतक के नाती मनीष सोरेन ने बताया कि रात में जब वे घर लौटे, तो उन्हें पता चला कि हाथी ने उनके नाना मंगरा मांझी और नानी बड़की देवी को कुचल दिया है। वे दोनों को किसी तरह सदर अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने उनके नाना को मृत घोषित कर दिया, जबकि नानी का इलाज जारी है। मनीष सोरेन ने बताया कि उनके नाना को दिखाई नहीं देता था। रात में जब उन्हें शौच की आवश्यकता हुई, तो नानी बड़की देवी उन्हें शौच कराने ले गईं। तभी हाथी आ गया और दोनों को कुचल दिया।

भटक रहा है हाथी : हाथियों की संख्या के बारे में मनीष का कहना है कि वे 5-6 थे। वहीं प्रशासन का दावा है कि जिस हाथी ने दंपती को कुचला, वह अकेला है और झुंड से बिछड़ा हुआ है। पीरटांड थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि झुंड से बिछड़ा हाथी क्षेत्र में विचरण कर रहा है और उसी ने यह घटना अंजाम दी है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में सक्रिय है।

वन विभाग के दावे की खुल गई पोल : पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड पीरटांड क्षेत्र में सक्रिय था। झुंड को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए वन विभाग की टीम जुटी रही। कुछ दिन पहले वन विभाग ने दावा किया था कि सभी हाथियों को पीरटांड-पारसनाथ क्षेत्र से सुरक्षित निकाल लिया गया है। इसके बावजूद मंगलवार की रात यह घटना घट गई।

झारखंड हाईकोर्ट को मिले तीन नए जज

रांची: झारखंड हाईकोर्ट को 3 नए जज मिल गए हैं। चीफ जस्टिस एमएस शरदचंद्र सोनक ने तीनों नए जजों को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह हाई कोर्ट परिसर के ग्राउंड फ्लोर में हुआ। शपथ लेने वाले तीन नए जजों में जस्टिस मनोज प्रसाद, जस्टिस अखिल कुमार और जस्टिस राम शर्मा शामिल हैं। तीनों की नियुक्ति सुपीरियर ज्यूडिशियल सर्विस कैडर से हुई है।

झारखंड हाई कोर्ट में कुल 25 जजों के पद हैं। नए जजों के आने के बाद अब झारखंड हाईकोर्ट में जजों को कुल संख्या 16 हो गयी है। तीन नियुक्तियों के बाद अब भी 9 पद रिक्त हैं।प्रवासी नेटवर्क जुड़ें

बताते चलें मनोज प्रसाद गढ़वा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहे हैं। वहीं अखिल कुमार साहिबगंज के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और राम शर्मा डालटनगंज के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहे हैं।

वेटलिफ्टिंग में खत्म हुआ 28 साल का सूखा, मीराबाई चानू ने जीता एशियन गेम्स में पहला मेडल

नागोया : एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका।

मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है। साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं। मीराबाई इससे पहले ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी मेडल जीत चुकी हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई चानू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता था।

अल नीनो से अगले छह महीनों में 4.5 लाख लोगों की मौत का अनुमान, भारत समेत कई देशों को चेतावनी

नई दिल्ली । जलवायु वैज्ञानिकों के एक नए आकलन के अनुसार, प्रशांत महासागर में विकसित हो रहा अत्यंत शक्तिशाली अल नीनो अगले छह महीनों में दुनिया भर में अतिरिक्त गर्मी के कारण 4.5 लाख से अधिक लोगों की जान ले सकता है। यह अनुमान जलवायु परिवर्तन के कारण पहले से बढ़ रही गर्मी से होने वाली मौतों के अतिरिक्त है। शिकागो विश्वविद्यालय के क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस असाधारण अल नीनो का असर इंडोनेशिया, भारत और नाइजीरिया से लेकर अमेरिका तक महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा सूखा, जंगलों में आग और बाढ़ जैसी घटनाओं के कारण भी बड़ी संख्या में लोगों की मौत होने की आशंका है।

रिपोर्ट में प्रकाशित आकलन के अनुसार, अतिरिक्त गर्मी से होने वाली मौत का अनुमान विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग लगाया गया है। इसका उद्देश्य उन इलाकों की पहचान करना है, जहां समय रहते कदम उठाकर लोगों की जान बचाई जा सकती है। इनमें बेहतर गर्मी पूवार्नुमान, शीतलन केंद्रों की स्थापना, अत्यधिक गर्मी के दौरान चिकित्सा सुविधाओं में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना और खुले में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा जैसे उपाय शामिल हैं।

जलवायु वैज्ञानिकों ने इस घटना की तीव्रता को बेहद असाधारण बताया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक हो गया है। इस गर्मी का असर पहले से गर्म हो रहे वैश्विक वातावरण पर पड़ रहा है।

शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के सह-संस्थापक माइकल ग्रीनस्टोन, जो इस आकलन के सह-लेखक हैं, ने कहा कि 4,51,000 लोगों की संभावित मौत का अनुमान इतना बड़ा है कि इसे समझना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा माता-पिता, बच्चों, बुजुर्गों, पड़ोसियों और रोजमर्रा की जिंदगी जी रहे लोगों से जुड़ा है।

अल नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है। इससे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बारिश, तापमान और हवाओं के सामान्य पैटर्न में बदलाव आता है।

मौजूदा घटना ऐसे समय में विकसित हो रही है, जब मानव गतिविधियों के कारण वैश्विक तापमान पहले ही बढ़ चुका है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस अतिरिक्त गर्मी के कारण अल नीनो से जुड़े प्रभाव और गंभीर हो सकते हैं।

अल नीनो के कारण कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी और सूखे का खतरा बढ़ सकता है, जबकि दूसरे इलाकों में भारी बारिश, बाढ़ और तूफानों की स्थिति पैदा हो सकती है। इसका असर कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

वैज्ञानिकों ने कहा है कि गर्मी से होने वाली मौतों का अनुमान किसी निश्चित भविष्यवाणी के बजाय संभावित खतरे का आकलन है। इसका इस्तेमाल सरकारें और स्थानीय प्रशासन पहले से तैयारी करने के लिए कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल नीनो के प्रभावों को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन बेहतर तैयारी और जलवायु जोखिमों की समय पर पहचान से इसके मानवीय नुकसान को कम किया जा सकता है।

केंद्र सरकार का बड़ा कदम, हड़ताल के चलते इस रविवार को खुलेंगे बैंक

नई दिल्ली । सरकारी बैंक कर्मचारियों की हड़ताल को देखते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा कदम उठाते हुए ऐलान किया है कि इस रविवार को बैंक खुले रहेंगे। सरकार की ओर से इस कदम को उठाने का उद्देश्य हड़ताल के बीच आम नागरिकों को बैंकिंग सुविधा समय पर उपलब्ध कराना है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर, 2026 तक तीन दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल बुलाई है। यह हड़ताल 26 और 27 सितंबर की वीकेंड की छुट्टियों के ठीक बाद हो रही है, इसलिए सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से ही जरूरी कदम उठाए हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आम लोगों की बैंकिंग से जुड़ी जरूरी जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, सभी पब्लिक सेक्टर बैंक और रीजनल रूरल बैंक रविवार, 27 सितंबर 2026 को सामान्य रूप से काम करेंगे।

बयान में आगे कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम-लिंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है।

मंत्रालय ने दोहराया कि बैंक, ग्राहकों की भलाई और सुविधा सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को टालने की अपील की है, और यह पक्का करने के लिए भी कदम उठाए हैं कि जरूरी बैंकिंग सेवाएं बिना किसी रुकावट के चलती रहें। हड़ताल में बैंक यूनियन की प्रमुख मांग हफ्ते के दौरान पांच कार्यदिवस व्यवस्था लागू करने की है।

बैंकिंग यूनियन का कहना है कि मार्च 2024 में बाइलेटरल वेज रिवीजन एग्रीमेंट में पांच कार्यदिवस की योजना पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है।

झारखंड में अगले 48 घंटे भारी, कई जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांची : बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के कारण झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के दौरान कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश, तेज हवा और वज्रपात की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम हिस्से में बना गहरा दबाव पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। इसके 23 सितंबर की रात तक उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तट को पार करने की संभावना है। इसका असर झारखंड के मौसम पर भी पड़ रहा है।

पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा 50.2 मिमी बारिश चांडिल में दर्ज की गई। चक्रधरपुर में 49.4 मिमी, नीमडीह में 45.8 मिमी, खूंटी में 34 मिमी, मनोहरपुर में 24.4 मिमी, रांची एयरपोर्ट में 22.8 मिमी, घाटशिला में 22.4 मिमी, चाईबासा में 20.6 मिमी और जमशेदपुर में 18.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

बहरागोड़ा में राज्य का सबसे अधिक तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं कांके में सबसे कम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है।

23 सितंबर को दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी झारखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर और जामताड़ा में भी बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की संभावना है।

24 सितंबर को सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, रांची, गुमला और खूंटी में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां के अलावा लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा और बोकारो में भी भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवा और वज्रपात का खतरा बना रहेगा।

25 सितंबर को हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह समेत उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-मध्य हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। 26 से 28 सितंबर तक भी राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। राजधानी रांची में 23 और 24 सितंबर को आसमान में बादल छाए रहने और मध्यम बारिश होने का अनुमान है। 23 सितंबर को अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 24 सितंबर को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

समाचार सार

यातायात थाना गोदा का वार्षिक निरीक्षण

रांची : पुलिस अधीक्षक यातायात ने सोमवार को यातायात थाना गोदा का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना प्रभारी, परिचारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की किट परेड कराई गई तथा थाना के विभिन्न अभिलेखों की जांच की गई। अभिलेखों में मिली कमियों और त्रुटियों के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगामी दुगार्पूजा, दीपावली और छठ पूजा के साथ अक्टूबर में प्रस्तावित क्रिकेट मैच को देखते हुए सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। काले शीशे, गलत या आकर्षक नंबर प्लेट, संशोधित साइलेंसर, तेज आवाज वाले हॉर्न, तेज रफ्तार वाहन चलाने, नशे में वाहन चलाने और निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वालों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा गया। नाबालिगों के वाहन चलाने, ऑटो-टोटो चालकों के बिना वर्दी वाहन चलाने तथा नंबर प्लेट पर टेप लगाने या गलत तरीके से नंबर लिखने वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। यातायात चौकियों के आसपास अनावश्यक वाहन खड़ा करने और चौक-चौराहों पर ऑटो-टोटो लगाने वालों पर भी कार्रवाई करने को कहा गया। सड़क पर अतिक्रमण कर लगाई गई दुकानों और ठेलों को नगर निगम की टीम के साथ समन्वय कर हटाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने का निर्देश दिया गया। यातायात चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने को कहा गया।

सीसीएल मुख्यालय में दिलाई गई स्वच्छता शपथ

रांची : स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के मुख्यालय दरभंगा हाउस में स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता को अपनी आदत एवं जिम्मेदारी बनाने का संकल्प लिया। निदेशक वित्त पवन कुमार मिश्रा, निदेशक मानव संसाधन हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी-संचालन चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक योजना एवं परियोजना अनुप हंजुरा और मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। निदेशक मानव संसाधन हर्ष नाथ मिश्र ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके बाद सभी निदेशकों एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी ने संयुक्त रूप से स्वच्छता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ रांची के विभिन्न चौक-चौराहों, स्कूलों, महाविद्यालयों और गली-मोहल्लों में पहुंचकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेगा। इस वर्ष अभियान की थीम ह्यस्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्ल रखी गई है। सीसीएल मुख्यालय के साथ सभी कोयला क्षेत्रों में भी स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बीआईटी मेसरा के पूर्व छात्रों का मिलन समारोह संपन्न

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के 100 से अधिक पूर्व छात्र और उनके परिवारजन बीआईटी मेसरा ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित मिलन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में संस्थान के शैक्षणिक विकास, रोजगार, उद्योग से जुड़ाव, इंटर्नशिप और पूर्व छात्रों के सहयोग पर विचार-विमर्श हुआ। पूर्व निदेशक डॉ। एचसी पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विचार-मंथन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने संस्थान के विकास के लिए सुझाव दिए, जिन्हें संस्थान प्रबंधन को सौंपा जाएगा। विद्यार्थियों ने स्टार्टअप परियोजना भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का समापन रात्रिभोज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने राधा कृष्ण जन्मोत्सव मनाया

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रांची शाखा की ओर से सोमवार को अग्रसेन भवन में राधा-कृष्ण जन्मोत्सव महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने सभी का स्वागत कर किया। प्रीति पोद्दार ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। स्नेहा मेवाड़ा और तारा डेलिया के भजनों पर महिलाओं ने राधा-कृष्ण के साथ ब्रज की सखियों के रूप में नृत्य प्रस्तुत किया। गोपियों की वेशभूषा में सजी महिलाओं से पूरा परिसर वृंदावन जैसा नजर आया। 'बांसुरी कृष्ण की बाजेगी, प्रेम में राधा नाचेगी', ह्यमुरली की धुन सुन के राधिकेह्ल और ह्यमीठे रस से भरो री राधा रानी लगेह्ल जैसे भजनों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए गए। भक्त के वश में भगवान हैं विषय पर नाटक का मंचन भी हुआ। लड्डू गोपाल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ लड्डू गोपाल को पुरस्कृत किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को भी पुरस्कार दिए गए। सृजन शाखा की बहनों ने राधा-कृष्ण की युगल पैरोडी प्रस्तुत की। इसके अलावा राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई। महिलाओं ने डांडिया उत्सव में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अंत में सभी ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरा बथवाल, रूपा अग्रवाल, बिना मोदी, नैना मोर, मधु सर्राफ, रीना सुरेखा, प्रीति बंका, बबीता नारसरिया, प्रीति पोद्दार, छाया अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, सीमा टांटिया, सुनीता सरावगी, मंजू गाड़ोदिया, सीमा पोद्दार, प्रीति फोगला, नेहा सरावगी, रीता मोदी समेत अन्य बहनों का सहयोग रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

रांची में जुटेंगे देशभर के 1000 से अधिक नेत्र विशेषज्ञ

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में पहली बार ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) की 5वीं मिडटर्म राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित हो रही है। 25 से 27 सितंबर तक होटल चाणक्य बीएनआर में होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 1,000 से अधिक नेत्र विशेषज्ञ, शोधकर्ता, शिक्षाविद एवं युवा चिकित्सक भाग लेंगे। सम्मेलन के संबंध में गुरुवार को स्मार्ट सिटी स्थित माननीय स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि रांची जैसे मिड-टियर शहर में इस स्तर के राष्ट्रीय वैज्ञानिक आयोजन का होना झारखंड के लिए गौरव का विषय है। देशभर के विशेषज्ञों के एक मंच पर आने से नवीनतम शोध, आधुनिक तकनीकों और उपचार पद्धतियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन मिड-टियर शहरों में चिकित्सा शिक्षा, निरंतर प्रशिक्षण और शोध की संस्कृति को मजबूत करते हैं तथा झारखंड के युवा चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से सीखने का अवसर देते हैं। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ भारती कश्यप ने कहा कि यह झारखंड में पहली बार आयोजित होने वाली एआईओएस की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस है और 1,000 से अधिक नेत्र विशेषज्ञों का एक साथ रांची में जुटना राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

स्कूली बच्चों से भरी ओमनी पलटी, चार बच्चे घायल

संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम ओपी क्षेत्र अंतर्गत हरली पावर सबस्टेशन के समीप बुधवार सुबह स्कूली बच्चों से भरी एक ओमनी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में वाहन सवार चार स्कूली बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा. तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद तिलैया स्थित एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां सभी का इलाज चल रहा है। घायलों में अमन कुमार (8), साधिका (8) समेत दो अन्य बच्चे शामिल हैं। बताया गया कि एक बच्चे के माथे में गंभीर चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चे सुबह ओमनी वाहन से स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान हरली पावर सबस्टेशन के पास वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर ह्यअढर, भादोडीहह्ल लिखा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, वाहन के अंदर बच्चों के बैठने के लिए लोहे से बने दो बेंच लगाए गए थे। ग्रामीणों ने वाहन की हालत को देखते हुए उसे काफी पुराना बताया। हादसे के बाद वाहन में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था और उसकी फिटनेस को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

जन शिक्षण संस्थानने चलाया स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान

संवाददाता

खूंटी : स्वच्छता ही सेवा (रत्नर) अभियान के तहत जन शिक्षण संस्थान, खूंटी की ओर से सोमवार को स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान जन शिक्षण संस्थान परिसर एवं आसपास के विभिन्न स्थानों पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से गंदगी और कचरे की सफाई की। साथ ही आवश्यक स्थानों पर ब्लिचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया।

इस अवसर पर लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता, सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में करीब 70 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ लेकर अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के प्रभारी निदेशक शैलेश कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी सुब्रत सेन प्रधान, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार शशि प्रकाश, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी (लाईवलिहुड) प्रभावती कुमारी सहित संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अभियान के माध्यम से स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ सामूहिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

कक्षा छह की छात्र से दुष्कर्म

रांची : जिले के विधानसभा थाना क्षेत्र के डैम साइड एरिया में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। नाबालिग बच्ची कक्षा छह की छात्र है, जिस युवक पर दुष्कर्म का आरोप है, वह भी उसी मुहल्ले का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार, घटना 21 सितंबर की शाम की है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। कक्षा छह में पढ़ने वाली बच्ची घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी युवक घर में आ गया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोप फरार हो गया है।

बताया जाता है कि आरोपी युवक नशा का आदि है और मुहल्ले में बदनाम है। इस घटना से पहले भी उस पर कई तरह के आरोप लग चुके हैं, कुछ मामले थाना तक भी पहुंचे थे।

श्री श्री सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ने किया भूमि पूजन

संवाददाता

मुरी : आज आगामी शारदीय महोत्सव को लेकर साइड 5 स्थित श्री श्री सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से भूमि एवं खूंटी पूजन हुआ। प्रधान पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा पंडाल के निर्माण की नींव रखी गई, जिसके साथ ही क्षेत्र में दुर्गा पूजा की तैयारियों का आधिकारिक शुभारंभ किया गया है।

समिति के प्रवीण सिंह चौहान ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान समिति के सभी सक्रिय सदस्यों और स्थानीय श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ खूंटी पूजा अनुष्ठान में भाग लिया। भूमि पूजन के बाद बांस गाड़कर (खूंटी

पूजन) पंडाल निर्माण कार्य का श्रीगणेश किया गया। इस पवित्र अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने माँ दुर्गा से क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और आपसी सौहार्द की कामना की।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष भी पूजा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए कई विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पंडाल की सजावट, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है, ताकि क्षेत्रवासियों को माँ के दर्शन और पूजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी मिलकर इस महापर्व को हर्षोल्लास के साथ मना सकें।

पूजन कार्यक्रम में समिति के सभी सक्रिय से : दस्य एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूजा पंडाल निर्माण की आधारशिला रखते हुए साइट 5 कॉलोनी में रहने वाले सभी परिवारों से अनुरोध किया गया है कि आज से पूजा पंडाल के सामने सुबह शाम समीति के लोगों के बीच स्वेच्छा से बढ़ती मंहगाई को देखते हुए अच्छे पूजा आयोजन के लिए बढ़ चढ़ कर आर्थिक सहयोग में योगदान दे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव पर तृतीय चरण की प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाददाता

रांची : अग्रवाल सभा के 50 वें श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव पर प्रतियोगिताओं के तृतीय चरण में मारवाड़ी भवन में अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता एवं डॉ राम मनोहर लोहिया जस्ट ए मिनट भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई ' प्रतियोगिताओं का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रेम अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया। गणेश वंदना प्रीति पोद्दार एवं रीना सुरेखा के द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं में लगभग 200 स्कूलों के 1600 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने आए हुए सभी अभिभावकों एवं बच्चों का स्वागत किया व जयंती संयोजक सज्जन कुमार पड़िया ने कार्यक्रम की जानकारी दी एवं मंत्री निर्मल बुधिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। जस्ट मिनट भाषण प्रतियोगिता में प्रथम- रिशान अग्रवाल सेंट जेवियर स्कूल डोरंडा, द्वितीय - दिया नायक सेंट एंथोनी स्कूल डोरंडा, तृतीय -अनन्या कुमारी शिवनारायण मारवाड़ी कन्या पाठशाला रहे ' इसके निर्णायक मंडली में डॉ हरविंदर सिंह, श्रीमती गायत्री कुमारी, मेनका सुमित, अनुराधा सिंह , नरेश बंका रहे ' कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील पोद्दार, अमर अग्रवाल, रामाशंकर बगड़िया,महेश अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, मनोज खेतावत,अजय डिडवानिया,विनोद टिबडेवाल, राजकुमारमित्तल,विजय खोवाल, कौशल कुमार राजगढ़िया, अशोक लाठ, किशन पोद्दार, संकेत चौधरी, प्रीति पोद्दार, रीना सुरेखा, छाया अग्रवाल ,प्रीति केडिया, सीमा टांटिया, रेनु छापाडिया, रीता मोदी ,राशि सरावगी, शालु सिंघानिया, आकृति सिंघानिया, करिश्मा बागला, श्रेया, सिमरन, खुशी आदि सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा ' यह जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

तीन ट्रकों की जोरदार टक्कर से छह घंटे तक केबिन में फंसा रहा चालक

तमाड़ : थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात करीब दो बजे तीन ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो ट्रकों के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालक अंदर फंस गए। एक चालक को कुछ देर की मशक्कत के बाद बाहर निकाल लिया गया, जबकि दूसरे चालक को करीब छह घंटे तक क्षतिग्रस्त केबिन में फंसा रहना पड़ा। उसे सुबह करीब आठ बजे सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार, एक ट्रक जमशेदपुर से रांची की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के तुरंत बाद पीछे से आ रहा तीसरा ट्रक भी दूसरे ट्रक से जा भिड़ा। लगातार हुई टक्कर से दूसरे और तीसरे ट्रक के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों चालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गए थे। स्थानीय लोगों और राहत दल की मदद से बचाव अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों चालकों को बाहर निकाला गया।

करमा विसर्जन के दौरान भौंरों का हमला, दो दर्जन से अधिक घायल

कोडरमा : सतगावां थाना क्षेत्र के मनोरथडीह गांव में बुधवार सुबह करमा पूजा विसर्जन के दौरान अचानक भौंरों के झुंड ने हमला कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भगदड़ मच गई। भौंरों के हमले में करीब आधा दर्जन बच्चों समेत दो दर्जन से अधिक महिलाएं, युवतियां और अन्य लोग घायल हो गए। अचानक हुए हमले से पूजा विसर्जन में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि ग्रामीण करमा पूजा के बाद विसर्जन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक भौंरों के झुंड ने लोगों को निशाना बनाते हुए हमला कर दिया। भौंरों से बचने के लिए लोग इधर. उधर भागने लगे। परिजनों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बच्चों, महिलाओं और अन्य लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), सतगावां ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। अचानक हुई इस घटना से मनोरथडीह गांव और आसपास के क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना के बाद ग्रामीणों में भौंरों के झुंड को लेकर भय का माहौल है।

दुगार्पूजा में तीन पालियों में होगी सफाई, रात में अतिरिक्त दल रहेंगे तैनात

- पंडालों और प्रमुख मार्गों पर रोशनी, पेयजल व चलंत शौचालय की व्यवस्था
- विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के इंतजाम
- 24 घंटे सक्रिय रहेगा निगम का कनेक्ट सेंटर

संवाददाता

रांची : दुगार्पूजा को लेकर रांची नगर निगम ने शहर में स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, यातायात और अन्य नागरिक सुविधाओं की व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निगम सभागार में विभिन्न दुगार्पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इसमें नवरात्र से लेकर विजयादशमी और प्रतिमा विसर्जन तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

नगर आयुक्त ने कहा कि दुगार्पूजा के दौरान स्वच्छता निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। शहर में तीन पालियों में सफाई कराई जाएगी। रात्रि पाली में अतिरिक्त सफाई दल तैनात किए जाएंगे, ताकि पूजा स्थलों और

प्रमुख मार्गों पर भीड़ के बाद तत्काल सफाई हो सके। सभी पूजा समितियों को पंडाल परिसर में पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखने और लोगों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

पथ प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। अपर बाजार, बड़ा तालाब के आसपास, मेन रोड सहित प्रमुख और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की खराब पथ बत्तियों को दुरुस्त कर शत-प्रतिशत प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। अंधेरे वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां अतिरिक्त प्रकाश की व्यवस्था होगी। अभियंत्रण शाखा को पंडालों और संपर्क मार्गों के गड्ढों की मरम्मत व समतलीकरण तथा जरूरत के अनुसार स्टोन डस्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

पूजा समितियों की मांग पर पंडालों और प्रमुख मार्गों पर पेयजल के लिए टैंकर, चलंत शौचालय, अस्थायी विश्राम गृह और आवश्यकतानुसार निःशुल्क नगर बस सेवा की व्यवस्था की जाएगी। पूजा स्थलों के आसपास पेड़ों की डालियों की छंटाई सात दिनों के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया गया है। विसर्जन स्थलों पर विसर्जन कुंड, घेराबंदी और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

पूजा समितियां अपनी समस्या और जरूरत की जानकारी निगम के व्हाट्सएप नंबर 9431104429 पर दे सकेंगी। इसके लिए पंडालवार व्हाट्सएप समूह के माध्यम से भी समन्वय किया जाएगा। वहीं, निगम का कनेक्ट सेंटर 24 घंटे सक्रिय रहेगा। नागरिक 1800-570-1235 पर सफाई, जलजमाव, पथ प्रकाश सहित अन्य शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

करमा पूजा के दिन बेटे के जन्म पर प्रामाणिक के परिवार में खुशी

मुरी : करमा पुजा के दिन सिंगपुर अस्पताल में एडमिट नेहा देवी ने बेटे को जन्म दिया। पुजा के दिन बेटे के जन्म से पिता जितेंद्र काफी खुश हैं। इस पर उनके परिवार के मझले बहनोई तुलसी प्रामाणिक ने खुशी में सभी को मिठाई खिलाए।स्वंय डाक्टर रमणेश पुजा उपहार के रुप में प्रामाणिक परिवार को बधाई दी।

खुशी में शामिल पूर्व जिलापरिषद प्रत्याशी प्रकाश महतो ने बधाई दी और मंगलमय जीवन की कामना की। इसे अलावा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिनेश चौधरी ने बच्चे एवं उनकी माता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस खुशी के मौके पर दादी नुनी बाला देवी, नानी कुंती देवी, नागेन्द्र, प्रभात रंजन समेत और भी लोग शामिल थे।

इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट-2026 के जीत पर दी बधाई

मुरी : मुरी रेल परिवार ने आयोजित रांची रेल मंडल द्वारा तीन दिवसीय इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट-2026 का आयोजन 19, 20, 21 सितंबर को रांची के विभिन्न स्पोर्ट्स ग्राउंड में जीत पर बधाई दी है। ।इस प्रतियोगिता में फुटबॉल, क्रिकेट, तैराकी (स्विमिंग), बैडमिंटन सिंगल-डबल, कैरम, वॉलीबॉल समेत विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि डीआरएम करुणा निधि सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। इस प्रतियोगिता में मुरी के टेलीकॉम विभाग के मो. हासीब अंसारी एवं मुकेश कुमार ने भाग लिया और जीत हासिल कर विजेता पुरस्कार प्राप्त किया। सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टेलीकॉम) प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों को खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में करमा पूजा परम्परागत तरीके से सम्पन्न

मुरी : करमा पूजा भाई बहन के प्रेम और हमारी मिट्टी से जुड़े रिश्ते का पर्व सिल्ली मुरी क्षेत्र में मंगलवार को करमा पर्व बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चारों तरफ करमा के ही गीत गुंज रहे हैं। महिलाओं में काफी खुशी की लहर है। करमा पर्व बहन भाई का एक अटूट बंधन है , जिसमें बहन अपने भाई के लिए दिनभर उपवास रख शाम के समय पुजा की।करम के नाम से नदी से लाया गया टोकरी में बालु धान की बाली, उड़द दाल करम डाली के सामने रख कर परम्परागत तरीके से पूजा पाठ किया गया, उसके बाद करम पेड़ के चारों ओर परिक्रमा करते हुए धागा बांधी और करम देवता से घरों मे सुख शांति समृद्धि और खुशहाली की कामना की । करम राजा के नाम पर डाक्टर रमणेश के सिंहपुर नर्सिंग होम के प्रांगण में कर्म पूजा धूमधाम से किया गया, यहां भी करम डाली की परंपरागत तरीके एवं विधि विधान के से पूजा अर्चना की गई और सुख समृद्धि की काामनाकी गई।सभी कोअंग वस्त्र दिया गया।डॉ रमणेश अपने सभी ग्रमीण भाई बहनों के साथ ढोल नगाड़े एवं नागपुरी गीत धुन पर ग्रामीण घंटों नृत्य करते रहे। इसके अलावा सिल्ली मुरी के अन्य क्षेत्रों में रात भर करम के गीत गूंजते रहे, ढोल नगाड़े बजते रहे।

विस्फोटक पदार्थ बरामदगी मामले में ट्रक मालिक जमानत नहीं

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस एके राय की खंडपीठ ने भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थों की बरामदगी के मामले में सजायाफ्ता ट्रक मालिक सुल्तान वाहिद को जमानत देने से इनकार कर दिया है। मामला दुमका के काठीकुंड थाना क्षेत्र का है। निचली अदालत ने उसे विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4(आई) और 5(ए) के तहत 10-10 साल के कठोर कारावास और जुमार्ने की सजा सुनाई थी। अपीलकर्ता का तर्क था कि घटना के समय वह ट्रक में मौजूद नहीं था और केवल मालिक होने के कारण उसे आरोपी बनाया गया है। हालांकि, अदालत ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि ट्रक से इतनी बड़ी मात्रा में डेटोनेटर व विस्फोटक बरामद होना यह दशार्ता है कि मालिक को इसकी जानकारी जरूर थी।

श्रम भवन का 25 को घेराव करेंगे सफाई मजदूर

रांची : झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के बैनर तले रांची नगर निगम के सफाईकर्मी, चालक, हेल्पर और खलासी 25 सितंबर को डोरंडा स्थित श्रम भवन में प्रदर्शन और घेराव करेंगे। यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने बताया कि मजदूरों की विभिन्न मांगों पर श्रम विभाग और नगर निगम की ओर से कार्रवाई नहीं होने के विरोध में यह कार्यक्रम किया जा रहा है। प्रदर्शन दोपहर तीन बजे से होगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों को बोनस भुगतान, अप्रैल से बढ़े महंगाई भत्ते के एरियर के भुगतान की तिथि तय करने और ए टू जेड कंपनी के दिसंबर 2013 के एक माह के बकाया वेतन का भुगतान कराया जाए। इसके अलावा असंगठित और आउटसोर्स मजदूरों को देय अवकाश, न्यूनतम मजदूरी 18 हजार रुपये करने, प्रसूति व बीमारी के कारण काम से हटाए गए मजदूरों को वापस लेने और 10 वर्ष से सेवा दे रहे मजदूरों के स्थायीकरण की मांग की गई है।

उच्च शिक्षा एवं शोध करने आए शोधार्थियों से राज्यपाल ने किया संवाद

संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को लोक भवन में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अंतर्गत भारत में उच्च शिक्षा एवं शोध करने आए विभिन्न देशों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि भारत को प्राचीन काल से ही ज्ञान एवं शिक्षा की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। तक्षशिला, नालंदा एवं विक्रमशिला जैसे प्रसिद्ध शिक्षा केंद्रों में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान की यह समृद्ध परंपरा आज भी हमें प्रेरित करती है। राज्यपाल ने कहा कि श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, इराक एवं अफ्रीकी तथा मध्य-पूर्व के देशों सहित विभिन्न देशों के विद्यार्थियों का भारत में अध्ययन एवं शोध करना भारत और उनके संबंधित देशों के बीच मजबूत शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि भारत ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न के शाश्वत सिद्धांत में विश्वास करता है। ज्ञान एवं संवाद देशों के बीच सेतु का निर्माण करते हैं और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। भगवान बुद्ध एवं भगवान महावीर की धरती भारत ने विश्व को शांति, करुणा, अहिंसा एवं सद्भाव का संदेश दिया है। आज की दुनिया में इन मूल्यों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है?

अंतरराष्ट्रीय सहयोग का महत्व : उन्होंने कहा कि आज के समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ह्यविकसित भारतह्ल के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह वैश्विक समुदाय के साथ भारत की सक्रिय सहभागिता को दशार्ता है।

झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझें : राज्यपाल ने झारखंड की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य अपनी समृद्ध जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वन, झरनों, पहाड़ियों एवं प्रचुर खनिज संपदा के लिए जाना जाता है। यह धरती धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा एवं अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि है, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में अपना अहम एवं उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से झारखंड में अपने प्रवास के दौरान राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को समझने एवं अनुभव करने के लिए कहा।

विद्यार्थी देशों के बीच मित्रता एवं आपसी समझ के सेतु : राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे भारत में अपने अध्ययन एवं शोध के साथ-साथ देश के इतिहास, विविध संस्कृति, परंपराओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को भी समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ये अनुभव उनकी शैक्षणिक यात्रा को समृद्ध करने के साथ-साथ जीवनभर मूल्यवान स्मृतियों के रूप में उनके साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में अध्ययन एवं शोध कर रहे ये विद्यार्थी केवल अपने-अपने देशों के विद्यार्थी नहीं हैं, बल्कि भारत और उनके संबंधित देशों के बीच मित्रता एवं आपसी समझ के सेतु भी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि विद्यार्थी भारत की सुखद स्मृतियां अपने साथ लेकर अपने देश लौटेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों एवं देशवासियों के साथ भारत में अपने अनुभव साझा करेंगे।

पद्मा एकादशी पर तिरुपति बालाजी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

रांची : नगर के प्रसिद्ध दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में मंगलवार, 22 सितंबर को भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पद्मा एकादशी एवं श्रीविष्णु परिवर्तनोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जयकारों और मंत्रोच्चार से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा।

श्रद्धालु कतारबद्ध होकर श्रीविष्णु सहस्त्रनाम, वेंकटेश अष्टोत्तर शतनाम, लक्ष्मी अष्टोत्तर शतनाम की अर्चना के साथ विभिन्न सूक्तों का पारायण कर भगवान की पूजा-अर्चना करते रहे। मंदिर के अर्चक श्री गोपेश आचार्य एवं नारायण दास जी ने प्रातः विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम और मंगलाशासनम् के बाद पाञ्चरात्र आगम विधि से तिरुवाराधनम् संपन्न कराया।

इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच भगवान के शयन विग्रह को विधिपूर्वक करवट बदलकर परिवर्तनोत्सव मनाया गया। नक्षत्र, कुंभ और कपूर की बाती से महाआरती की गई। भगवान को फलाहारी व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया तथा श्रुति, उपनिषद और देशिक स्तोत्रों से स्तुति की गई। दिनभर का भोग रांची निवासी श्रीमती रजनी मेहता ने निवेदित किया।

आयोजन में राम अवतार नारसरिया, अनूप अग्रवाल, प्रदीप नारसरिया, रंजन सिंह, दीपू श्रीवास्तव, मिंटू सिन्हा, डॉ. अमरनाथ पाठक, शंभूनाथ मिश्रा, भोला बरनवाल, नितेश गुप्ता, भारतीलाल, उर्मिला झा, अशोक मिश्रा, जगनारायण प्रसाद, प्रभास मित्तल और ओमप्रकाश गाडोदिया सहित अन्य की भूमिका रही।

परिवर्तनी एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष परिवर्तनी एकादशी के अवसर पर बुधवार को दिनभर भक्तों की भीड़ रही। सुबह पांच बजे मंदिर के पट खुलते ही श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगे। सुबह 5:30 बजे मंगला आरती के बाद मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में बाबा श्री श्याम का दिव्य श्रृंगार किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा।

मंडलके महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी है। उन्होंने कहा कि बाबा के दरबार में अर्जी लगाने वाले भक्तों की मनोकामना पूर्ण होने की मान्यता है।

रात्रि 9:30 बजे एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम शुरू हुआ। आनंद चौधरी एवं ममता चौधरी ने परिवार के साथ अखंड ज्योति प्रज्वलित कर बाबा को केसरिया पेड़ा, रबड़ी, मगही पान, फल एवं पंचमेवा का भोग अर्पित किया। श्रवण ढांढनिया ने गणेश वंदना से भजन संकीर्तन की शुरूआत की। विभिन्न भजन गायकों ने गुरुजी, हनुमान जी, शंकर जी, रानी सती दादी और बाबा श्याम की वंदना प्रस्तुत की। देर रात आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मारपीट में घायल ऑटो चालक की मौत, दो गिरफ्तार

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र में सोमवार की रात खाने-पीने के दौरान हुए विवाद के बाद मारपीट में गंभीर रूप से घायल ऑटो चालक शोभन राय की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक चुटिया थाना क्षेत्र का रहने वाला था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार, सोमवार की रात धुर्वा इलाके में दो पक्षों के बीच शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान शोभन राय गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर धुर्वा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायल शोभन राय को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने जांच में उसके सिर में गंभीर चोट होने की बात बताई। मंगलवार को इलाज के दौरान शोभन राय की मौत हो गई।

दो गिरफ्तार

धुर्वा थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि सोमवार की रात दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हुई थी। घटना में शोभन राय गंभीर रूप से घायल हुआ था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ मारपीट की वजह भी पता लगाने में जुटी है।

कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, एसआईआर में पारदर्शिता की मांग

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर पार्टी महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मुलाकात कर एसआईआर की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आम लोगों की समस्याओं के समाधान की मांग की। दोनों नेताओं ने इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा।

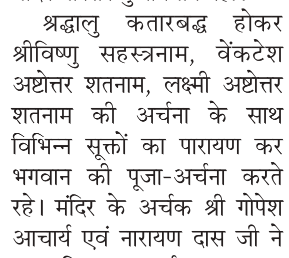

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एसआईआर के तहत जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी सुनवाई सुगम और समयबद्ध तरीके से होनी चाहिए। इसके लिए अतिरिक्त केंद्र बनाए जाने और पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की तैनाती की मांग की गई। झारखंड में एसआईआर के दावे-आपत्तियों की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित है।

पार्टी नेताओं ने मांग की कि प्रत्येक सप्ताह फॉर्म-6, 7 और 8 की विधानसभा-वार जानकारी निर्धारित फॉर्मेट-9, 10, 11ए और 11बी के अनुसार जिला स्तर पर बीएलए-1 और बीएलए-2 तथा राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाए।

कांग्रेस नेताओं ने चतरा विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-7 की संख्या में अचानक हुई कथित वृद्धि की जांच की मांग भी की। उन्होंने दावा किया कि चतरा सीट पर एक ही दिन में 1,113 फॉर्म-7 जमा होने की बात सामने आई है। प्रतिनिधिमंडल ने इसे संदिग्ध बताते हुए मामले की जांच कराने और फॉर्मेट-10 में पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बूथों के पुनर्गठन के बाद पुराने और नए बूथ नंबरों की अद्यतन सूची राजनीतिक दलों को शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा बीसी-1 सूची में क्रमांक 3342 पर दर्ज तकनीकी त्रुटियों को सही जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सुधारने का आग्रह किया गया, ताकि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से नहीं हटे।

मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ अभिनन्दन

संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन के रांची आगमन पर फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से चैंबर भवन में उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ झारखंड प्रांत के पदाधिकारियों ने चैंबर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने समाज सेवा के क्षेत्र में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा मंच सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने की दिशा में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने दिसंबर में प्रस्तावित चार दिवसीय ह्यकारवां 2.0ह्ल राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

सुरेश एम. जैन ने दिसंबर में आयोजित होने वाले ह्यकारवां 2.0ह्ल राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों और उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने चैंबर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को अधिवेशन में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों के बीच समन्वय और संवाद को मजबूत किया जा सकता है। बैठक में युवा सहभागिता सहित समाज और व्यवसाय जगत से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मौके पर महासचिव रोहित अग्रवाल, अमित शर्मा, पूजा ढाढा, विनीता सिंघानिया, मोनिका गोयनका, निधि झुनझुनवाला, विनय अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, विशाल पाडिया, राहुल अग्रवाल, ललित जैन, अर्जुन सिंघानिया, विकास अग्रवाल, मुकेश शर्मा और अनीश सरावगी समेत अन्य उपस्थित थे। कैट के प्रांतीय संयोजक ब्रजेश कुमार और पवन जयसवाल ने भी नवनिर्वाचित चैंबर अध्यक्ष को बधाई दी।

श्री श्याम मंदिर में गूंजे बाबा के जयकारे

रांची : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार, 22 सितंबर को एकादशी उत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। गेंदा, रजनीगंधा, गुलाब एवं तुलसी दल की मालाओं से बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया।

रात्रि नौ बजे बाबा श्री श्याम के जयकारों के बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मंडल के सदस्यों ने भावपूर्ण संकीर्तन शुरू किया। भजनों की लय पर श्रद्धालु झूमते रहे। बाबा को मेवा, फल, खीर, चूरमा एवं केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी, रमेश सारस्वत, चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, मनोज ढांढणियां, गौरव परसरामपुरिया, नितेश केजरीवाल, नितेश लाखोटिया, विकास पाडिया एवं प्रियांश पोद्दार का सहयोग रहा। मंडल के अनुसार, 23 सितंबर को द्वादशी के अवसर पर शाम 4:30 बजे श्री श्याम प्रभु को खीर-चूरमा का भोग अर्पित किया जाएगा।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में निराश्रितों को कराया गया भोजन

रांची। पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में रह रहे 45 दिव्यांग निराश्रितों एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा मे समार्पित सेवादारों को प्रतिदिन तीनों समय भोजन खिलाया जा रहा है। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 23 अगस्त से 22 सितंबर तक 31 दिनों में लगभग 6700 निराश्रितों एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादारों को भोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि आश्रम के रसोई घर में पूरी स्वच्छता एवं सात्विकता के साथ विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किया जाते हैं। प्रत्येक निराश्रितों को सम्मान पूर्वक भोजन कराया जाता है। इस सेवा में कई लोगों ने सहयोग देते हुए स्वयं भोजन सेवा का दायित्व निभाया, इसके अलावे कई लोगों द्वारा आश्रम में रह रहे निराश्रितो, मंदबुद्धि, दीनबंधुओं के लिए खाद्य सामग्री एवं जरूरत के समान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इस आश्रम में सत्यनारायण पोद्दार चैरिटेबल ट्रस्ट, बाबूलाल प्रेमसंस ग्रुप का पूर्ण सहयोग निरंतर मिलता है। उन्होंने कहा कि मानव प्रभु सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची अराधना है। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक पंकज पोद्दार, कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी,निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ,शिव भगवान अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी,मनीष साहू, संजय सर्राफ,विशाल जालान, सुनील पोद्दार,मधुसूदन जाजोदिया,अंजनी अग्रवाल, विष्णु सोनी, सुरेश चौधरी, अरविंद अग्रवाल,सुरेश भगत,पवन पोद्दार सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

जदयू के भीतर उठते सवाल और परीक्षा

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सामने इन दिनों एक साथ कई राजनीतिक प्रश्न खड़े दिखाई दे रहे हैं। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और विधायक अनंत सिंह के बीच खुला टकराव, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लेकर उठती चर्चाएं और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे पर अलग-अलग स्वर– इन सबने जदयू की आंतरिक राजनीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ये घटनाएं नेतृत्व, अनुशासन और निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल पैदा कर रही हैं। पटना स्नातक सीट का विवाद फिलहाल सबसे प्रत्यक्ष राजनीतिक टकराव है। नीरज कुमार इस सीट से लगातार चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं। जदयू ने नीरज कुमार को फिर से प्रत्याशी बनाया है, जबकि अनंत सिंह ने सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ अभियान चलाने और उन्हें हराने की बात कही है, खुले तौर पर अनंत सिंह ने एक निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है। यह महज दो नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं है। दोनों नेताओं की मोकामा क्षेत्र की पुरानी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता भी इस विवाद को अतिरिक्त महत्व देती है। अनंत सिंह द्वारा नीरज कुमार पर लगाए गए पुराने आरोप और नीरज कुमार की ओर से अनंत सिंह के बयानों पर की गई टिप्पणियां राजनीतिक टकराव को और तीखा कर रही हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अलग-अलग स्तर पर आवश्यक है, इसलिए इन्हें राजनीतिक आरोपों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इस प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी के भीतर अनुशासन का सवाल सार्वजनिक हो गया है। जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने पार्टी में आंतरिक मतभेद से इनकार करते हुए आंतरिक लोकतंत्र और बेहतर समन्वय की बात कह रहें हैं। दूसरी ओर, विवाद सार्वजनिक मंच पर जारी रहने से यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि पार्टी संगठन ऐसे मतभेदों को किस तरह सुलझाता है। इसी क्रम में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं चलती रही हैं। उनके बारे में लगाए जा रहे आरोपों में यह दावा शामिल है कि वे नीतीश कुमार के आसपास निर्णय प्रक्रिया को अत्यधिक नियंत्रित कर रहें हैं। संजय झा ने इसके जवाब में पार्टी के एकजुट होकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम करने की बात कही है। इसलिए यहां वास्तविक प्रश्न यह है कि पार्टी के भीतर संवाद और निर्णय प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है। जदयू के लिए दूसरी परीक्षा गठबंधन की राजनीति से जुड़ी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 2029 से पहले एनडीए शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कहे जाने के बाद जदयू ने इस विषय पर चर्चा की जरूरत बताई है। संजय झा ने अमित शाह से मिलने की बात कही, जबकि जदयू नेता श्याम रजक ने बिहार में यूसीसी लागू किए जाने का विरोध दोहराया, इससे यह स्पष्ट है कि इस मुद्दे पर जदयू और भाजपा के बीच दृष्टिकोण को लेकर सार्वजनिक विमर्श मौजूद है। दरअसल, चुनौती यहां नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत और जदयू के संगठनात्मक भविष्य की है। लंबे समय तक पार्टी की राजनीति का केंद्र नीतीश कुमार रहें हैं, अब पार्टी को यह साबित करना होगा कि नेतृत्व के इर्द-गिर्द बनी राजनीतिक संरचना को संगठनात्मक संस्थाओं, सामूहिक निर्णय और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से कितनी मजबूती दी जा सकती है। पटना स्नातक चुनाव इस लिहाज से केवल एक विधान परिषद सीट का चुनाव नहीं रह गया है। इसके परिणाम से जदयू के भीतर चल रही राजनीतिक खींचतान की दिशा पर चर्चा तेज हो सकती है, लेकिन चुनाव परिणाम को पार्टी के पूरे राजनीतिक भविष्य का अकेला पैमाना मानना भी सही नहीं होगा। चुनाव में स्थानीय समीकरण, प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, संगठन की सक्रियता और मतदाताओं के मुद्दे–सभी प्रभाव डालते हैं। जदयू के सामने इसलिए तीन स्तरों पर चुनौती है– संगठन के भीतर अनुशासन, नेतृत्व के बीच समन्वय और गठबंधन के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान। यदि पार्टी इन तीनों स्तरों पर संवाद कायम रखती है तो मौजूदा मतभेद संगठनात्मक लोकतंत्र के दायरे में सुलझाए जा सकते हैं, यदि सार्वजनिक टकराव लगातार बढ़ता है और उसके समाधान के लिए प्रभावी राजनीतिक तंत्र दिखाई नहीं देता, तो उसका असर संगठन की एकजुटता पर पड़ सकता है। आज का यक्ष प्रश्न यह नहीं कि जदयू तत्काल दोफाड़ होगा या कौन नेता चुनाव जीतेगा। असली प्रश्न यह है कि बदलते राजनीतिक दौर में जदयू अपने मतभेदों को किस तरह संस्थागत संवाद में बदलता है। पटना स्नातक चुनाव एक तात्कालिक परीक्षा है, लेकिन जदयू के लिए असली परीक्षा उससे कहीं बड़ी–अपनी संगठनात्मक एकता, नेतृत्व की विश्वसनीयता और राजनीतिक पहचान को बनाये रखने की है।

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे-कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निदेशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निदेशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है। निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी-अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य-अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ पर प्रासंगिकता पर उठते सवाल

पेट्रोल पदार्थों और एलपीजी की आवाजाही प्रभावित होने से ईंधन के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। उर्जा संकट हो रहा है। आवागमन के साधनों का प्रमुख माध्यम पेट्रोल-डीजल आदि है और उनकी उपलब्धता पर पड़ रहे असर के कारण सभी देशों में सीधे आमजन प्रभावित हो रहे हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-ईरान युद्ध हो, रुस-यूक्रेन युद्ध या इसी तरह दुनिया के देशों के सामने आ रही गंभीर समस्याओं के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के देश ईंधन की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। शक्तिशाली देशों के दादागिरी चरम पर पहुंचती जा रही है। आज हार्मुज का रास्ता बंद है तो अन्य वैकल्पिक रास्तों पर भी अवरोध आ रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों की समस्याओं के प्रति कोई गंभीर नहीं है। पेट्रोल पदार्थों और एलपीजी की आवाजाही प्रभावित होने से ईंधन के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। उर्जा संकट हो रहा है। आवागमन के साधनों का प्रमुख माध्यम पेट्रोल-डीजल आदि है और उनकी उपलब्धता पर पड़ रहे असर के कारण सभी देशों में सीधे आमजन प्रभावित हो रहे हैं। आखिर ऐसे समय में ही संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पर जो तस्वीर सामने आ रही हैं।

वह साफ है कि युद्ध करने वाले देशों पर दबाव डालने की स्थिति में ना तो कोई वैश्विक संस्था रह गई है और ना ही कोई सर्वमान्य वैश्विक नेता। आखिर यह कोई एक दिन का पराभव तो नहीं हैं बल्कि देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र को तो योजनाबद्ध तरीके से शक्तिहीन किया गया है। अमेरिका जैसे देशों द्वारा बिना वजह फण्डिंग बाधित या कम की जाती है तो वीटो पॉवर स्वयं में नकारात्मक भूमिका में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए सदस्यों के प्रवेश को टाला जा रहा है तो इसे पंगु बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

इसमें दो राय नहीं कि कोविड के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ ने सकारात्मक भूमिका निभाई। देशों के बीच परस्पर सहयोग व समन्वय का परिणाम यह रहा कि दुनिया के देश कोविड वैश्विक संकट से मुकाबला करने में सफल रहे। खैर पर दुनिया के देशों के बीच युद्ध, युद्ध के हालात और तनाव की स्थिति को कम करने में संयुक्त राष्ट्र संघ पूरी तरह विफल रहा है। इस विफलता के कारणों का अलग से विश्लेषण किया जा सकता है। पर एक बात साफ है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ पर समग्र रुप से देखा जाएं तो भरोसा 57 प्रतिशत ही रह गया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति नकारात्मक विचार रखने वालों का प्रतिशत 37 प्रतिशत ही है। भरोसे के यह आंकड़े अगस्त 26 के ही हैं और यह प्यू रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में सामने आये हैं। दुनिया के देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ पर सबसे कम भरोसा करने वाला देश इजराइल है। इजरायल के 79 प्रतिशत लोग संयुक्त राष्ट्र संघ पर भरोसा नहीं रखते। हालांकि कनाडा, अमेरिका, नाइजीरिया, अधिकांश योरोपीय देश, घाना, केन्या व अधिकांश एशिया प्रशांत के देशों का भरोसा अधिक है। यह देश संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति सोच सकारात्मक रखते हैं। नाइजीरिया, फ्रांस यहां तक कि अमेरिका आदि में संयुक्त राष्ट्र के प्रति सकारात्मकता में अच्छी खासी गिरावट देखने को मिली है। दुनिया के देशों में एकमात्र श्रीलका ऐसा देश है जहां संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति भरोसे में बढ़ोतरी देखी गई है।

सवाल यह है कि आज यूएन दुनिया के देशों के बीच संघर्ष या तनाव कम करने में निर्णायक भूमिका नहीं निभा पा रहा है। अमेरिका-ईरान या रुस-यूक्रेन युद्ध सबके सामने है। यह कोई दो देशों के बीच युद्ध नहीं है अपितु इन युद्धों की आंच दुनिया के अधिकांश देशों पर किसी ना किसी रुप में पहुंच रही है। आज वर्चस्व सिद्ध करने या दादागिरी ही एकमात्र ध्येय रह गया है। पर रुस और अमेरिका अभी भी यह नहीं समझ पा रहे कि युद्धारंभ से पहले चंद घंटों या चंद दिनों का युद्ध समझ कर जोश में आ गए थे आज स्थिति उनके लिए ना निगलते बन रही है और ना उगलते बन रही है। इन युद्धों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि सामने वाला देश कितना भी छोटा क्यों ना हो पर युद्ध को लंबा खींचने की क्षमता उसमें हैं।

अमेरिका-इजराइल ने जब ईरान पर आक्रमण किया तब उन्होंने बहुत गाल बजाए थे पर आज जो हालात है वह सबके सामने हैं। यही, रुस यूक्रेन की बात है, चंद दिनों का युद्ध कब सालों लंबा युद्ध होता जा रहा है यह सबके सामने हैं। आज संयुक्त राष्ट्र संघ प्रभावी या कारगर होता तो हालात इतने खराब नहीं होते। आज संयुक्त राष्ट्र संघ नख-दंत विहीन संस्था रह गया है। अमेरिका सहित विकसित देश फण्डिंग में कमी कर देते हैं या रोक देते हें तो यूएन अपने आप में इतना सक्षम नहीं है कि देशों पर दबाव बना सके। सुरक्षा परिषद का वीटो का अधिकार भी एक प्रमुख बाधा है। सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश को लंबे समय से रोका जा रहा है। नए सदस्य किसी को स्वीकार ही नहीं हो रहे।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन एक सकारात्मक संदेश के साथ हुआ था। समय आ गया है जब दुनिया के देशों को संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका नए सीरे से तय करनी होगी। यूएन को दिखावटी संस्था के स्थान पर अधिकारपूर्ण और निर्णय क्षमता युक्त संस्था बनानी होगी। लोगों में विश्वास बनाना होगा कि यूएन केवल संस्था नहीं अपितु वह अपने दायित्वों को पूरा करने और दादागिरी करने वाले देशों पर लगाम लगाने की स्थिति में हो या ना हो पर एक ऐसा भ्रम तो पैदा करने की स्थिति में हो ताकि शक्तिशाली देशों की मोनोपोली को सीमित किया जा सके।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

यह कानूनी कार्रवाई देश के उन मासूम नवजातों की सेहत से जुड़ी है, जो खुद बोलकर अपनी तकलीफ बयां नहीं कर सकते। वस्तुत: यह उस लंबी फेहरिस्त की एक और कड़ी है, जो समय-समय पर यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारत जैसे विशाल विकासशील देश को बहुराष्ट्रीय कंपनियां सिर्फ एक बड़ा 'मुनाफा कमाने का बाजार' मानती हैं?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप-प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती। अभी कुछ दिनों पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उड़ाने पर ही केंद्रित होकर रह गया।

आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते-ही-देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं। यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए? राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मयार्दा का प्रश्न हमेशा बना रहता है।

इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए?

यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है। दुर्भाग्य यह है कि आज आरोप लगाना आसान हो गया है और आरोप का जवाब भी एक नए आरोप से देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एक नेता किसी नीति पर सवाल उठाता है तो जवाब में नीति की चर्चा करने के बजाय उसके पुराने बयान खोजे जाते हैं। किसी सरकार के निर्णय पर सवाल उठता है तो विपक्ष के पुराने कार्यकाल की कमियां गिनाई जाती हैं। किसी नेता की आलोचना होती है तो उसके जवाब में दूसरे नेता की आलोचना सामने आ जाती है। इस प्रकार राजनीतिक संवाद एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल जाता है जिसमें यह साबित करने की कोशिश होती है कि सामने वाला अधिक गलत है। लेकिन जनता का सवाल इससे अलग है कि आप क्या करेंगे? राजनीतिक दलों की ठोस योजनाएं क्या हैं। इन सवालों का उत्तर किसी आरोप से नहीं दिया जा सकता। राजनीति में व्यक्तिगत आक्षेप इसलिए भी चिंता का विषय हैं क्योंकि वे धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। नेता जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। समर्थक उसी भाषा को दोहराते हैं और फिर राजनीतिक मतभेद सामाजिक कटुता में बदलने लगते हैं। लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ वैमनस्य नहीं है। आज विपक्ष की ओर से सरकार के प्रति पूरी तरह कटुता का व्यवहार किया जा रहा है। इंदौर के कार्यक्रम में भी कटुता का खेल खेला गया। क्या छात्र ऐसी कटुता को अपने उत्थान और विकास के लिए जरूरी मानते हैं।

यहां यह भी आवश्यक है कि इस प्रश्न को केवल एक दल या एक नेता तक सीमित न किया जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, राजनीतिक मयार्दा की कसौटी सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी नेता की मिमिक्री करता है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए; यदि सत्ता पक्ष विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत कटाक्ष करता है तो उस पर भी उतनी ही गंभीरता से सवाल उठना चाहिए। लोकतांत्रिक मयार्दा किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। विपक्ष को भी लोकतान्त्रिक मयार्दा के तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम द्दष्टया राजनीतिक आरोप लगना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं।

आरोप-प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी।

परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है। इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से सवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए।

पूजा में रुई और कलावे की बाती का अलग महत्व

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान दीपक जलाने का विशेष महत्व माना जाता है। आमतौर पर पूजा-पाठ में रुई की बाती का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन कई बार लोग भगवान की पूजा में कलावे की बाती का भी उपयोग करते हैं। हिंदू धर्म में कलावे यानी की मौली की बाती का भी विशेष महत्व माना जाता है। लेकिन रुई और मौली दोनों की बाती का इस्तेमाल अलग-अलग कारणों से करने के बारे में बताया गया है। 90 फीसदी लोग इस बारे में नहीं जानते हैं कि पूजा के दौरान जो सही लगता है, उसका इस्तेमाल करते हैं।

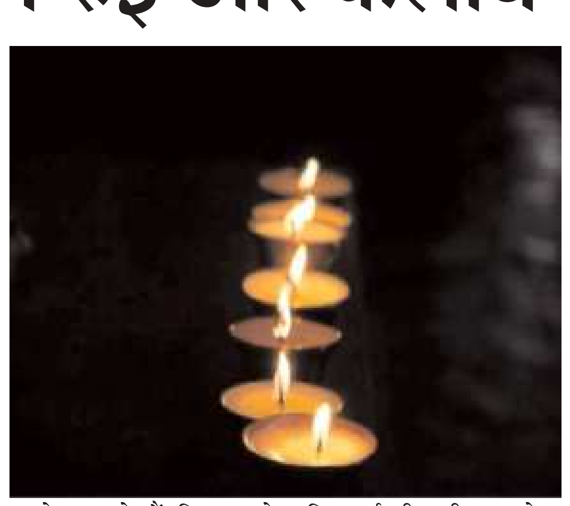

हालांकि रुई और मौली दोनों तरह की बातियों का इस्तेमाल अलग-अलग उद्देश्यों के लिए किया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कलावे और रूई की बाती में क्या अंतर है और इनको कब जलाना शुभ होता है।

नियमित पूजा के लिए जलाएं रूई की बाती

रोजाना की सामान्य पूजा, आरती और दीपक जलाने के लिए रूई की बाती का इस्तेमाल किया जाता है। इसको सुबह और शाम की पूजा में जलाया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और शांति आती है।

रूई की बाती को अहंकार का प्रतीक भी माना गया है। जिस तरह से बाती आग में जलकर धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है, ठीक उसी तरह से व्यक्ति को भी अपने नकारात्मक विचार और अंहकार को त्यागना चाहिए और ईश्वर के प्रति समर्पित होने का संदेश मिलता है।

जानें रूई की बाती जलाने के फायदे

नियमित रूप से रूई की बाती का दीपक जलाने से घर में सकारात्मकता और शांति बनी रहती है।

इससे मन को सुकून मिलता है और पूजा के समय एकाग्रता बढ़ती है।

रुई की लंबी बाती को विशेष पूजा के लिए इस्तेमाल किया जाता है और गोल बाती को शांति औ? स्थिरता के साथ जोड़कर देखा जाता है।

कब जलानी चाहिए कलावे की बाती

हिंदू धर्म में मौली या कलावा को पवित्र धागा माना जाता है। लाल और पीले रंग का धागा धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग होता है। कलावे से बनी बाती का इस्तेमाल कुछ विशेष धार्मिक अवसरों पर दीपक के रूप में किया जाता है। वहीं आमतौर पर भी लोग घरों में कलावे की बाती का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनको यह पता नहीं होता है कि कलावे की बाती का कब और कहां इस्तेमाल करना है।

किसी विशेष पूजा, मनोकामना या संकट के समय कलावे यानी की मौली की बाती जलाई जाती है। वहीं मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा के समय भी कलावे की बाती जलाना उचित माना जाता है।

कलावे की बाती से जुड़े लाभ

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक शुक्रवार या दीपावली के दिन मां लक्ष्मी के समक्ष कलावे की बाती जलानी चाहिए। इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

मंगलवार और शनिवार को बजरंगबली के सामने ऐसा दीपक जलाने से भय और बाधाओं का नाश होता है।

लाल रंग को मंगल ग्रह से भी जोड़कर देखा जाता है। इसलिए कलावे की लाल बाती का दीपक जलाने से मंगल ग्रह से जुड़ी परेशानियां भी कम होती हैं।

राहु-केतु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को शांत करने के लिए भी मौली की लाल बाती के दीपक को जलाया जा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

दिनदहाड़े अपराधियों का आतंक सेवानिवृत्त पंचायत सचिव के घर धावा

मारपीट कर नकदी-सोना समेत लाखों की संपत्ति लूटी

- आधा दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर की तोड़फोड़
- सीसीटीवी और डीवीआर इनवर्टर और मोटर तक उखाड़ ले गए जाते -जाते दी जान से मारने की धमकी

साहिबगंज : जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा लोहंडा बिंद टोला गांव में दिनदहाड़े मारपीट, तोड़फोड़ और लूटपाट की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पीड़ित सेवानिवृत्त पंचायत सचिव राजेंद्र दास ने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।पीड़ित राजेंद्र दास के अनुसार सोमवार शाम करीब चार बजे वह अपने नवनिर्मित घर में अकेले आराम कर रहे थे।इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक लोग,जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं,उनके मुख्य गेट पर पहुंचकर जोर-जोर से दरवाजा पीटने लगे।आवाज सुनकर जब उन्होंने बाहर झांककर देखा तो कई लोग लाठी-डंडे और अन्य हथियारों से लैस होकर जबरन घर में घुसने का प्रयास कर रहे थे।स्थिति को भांपते हुए उन्होंने गेट नहीं खोला और कमरे में जाकर खुद को बंद कर लिया।आरोप है कि हमलावरों ने पहले मुख्य गेट तोड़ा,फिर घर का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश कर गए।इसके बाद बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और पास में रखे 8 हजार रुपये नकद तथा सोने की अंगूठी छीन ली।पीड़ित का आरोप है कि अपराधियों ने घर में लगे चार सीसीटीवी कैमरे और उसका डीवीआर,पानी का मोटर,इनवर्टर, पंखा समेत अन्य सामान भी उखाड़कर अपने साथ ले गए।इतना ही नहीं,जाते-जाते बदमाशों ने घर खाली करने की धमकी देते हुए कहा कि यदि मकान नहीं छोड़ा गया तो अगली बार जान से मार दिया जाएगा।पीड़ित राजेंद्र दास ने दावा किया है कि हमलावरों में शामिल कुछ लोगों को वह पहचानते हैं और उनके नाम पुलिस को बता दिए गए हैं।इधर जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर सभी बिंदुओं की छानबीन की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।पीड़ित राजेंद्र दास एवं उनकी पत्नी ने पुलिस प्रशासन से न्याय दिलाने,लूटे गए सामान की बरामदगी सुनिश्चित करने एवं परिवार की सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

साहिबगंज-मनिहारी गंगा पुल निर्माण में देरी के विरोध में आजसू का एक दिवसीय धरना कल

साहिबगंज:साहिबगंज-मनिहारी गंगा पुल निर्माण में हो रही कथित देरी को लेकर आजसू पार्टी की ओर से एक दिवसीय सांकेतिक धरना आयोजित किया जाएगा।इस संबंध में आजसू पार्टी की ओर से अनुमंडल पदाधिकारी,साहिबगंज को पत्र सौंपकर धरना आयोजित करने की अनुमति मांगी गई है।पार्टी द्वारा दिए गए पत्र के अनुसार,24 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक महादेवगंज स्थित निमार्णाधीन गंगा पुल सड़क पर सांकेतिक धरना दिया जाएगा।आजसू जिला अध्यक्ष चतुरानंद का कहना है कि गंगा पुल निर्माण में हो रही देरी के कारण क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश है।श्री पाण्डेय ने बताया कि धरने के माध्यम से साहिबगंज-मनिहारी गंगा पुल के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग उठाई जाएगी।साथ ही इस महत्वपूर्ण परियोजना में हो रही देरी की ओर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास किया जाएगा।

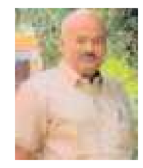

न्यूज IN ब्रीफ

नगर परिषद अध्यक्ष ने बाढ़ प्रभावितों से की मुलाकात कर जाना उनका हाल बांटी राहत

साहिबगंज :नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान का बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावितों से मिलने उनका दुख दर्द सुनने व उनके बीच राहत सामाग्री का वितरण करने का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को उन्होंने सदर प्रखंड के बाढ़ प्रभावित सदर प्रखंड के हाजीपुर पश्चिम,पासवान टोला व हाजीपुर पूरब में बाढ़ प्रभावित महिलाओं, पुरुषों,बच्चों व युवाओं से बातचीत कर उनकी समस्या सुनी।उन्हें कम होते जलस्तर में एहतियात बरतने की सलाह भी दी।सर्पदंश की स्थिति में झाड़फूंक ना कराने एवं किसी भी बीमारी की हालत में सीधे अस्पताल पहुंचने के लिए कहा।वहीं बासी भोजन नहीं करने व पानी उबाल कर ठंडा कर पीने की सालह भी दी। वहीं किसी भी समस्या से उन्हें अवगत कराने की बात कही।

भाद्रपद कृष्णा अष्टमी को भगवान श्री कृष्णा का जन्म हुआ : पुरोहित

साहिबगंज : भाद्रपद एकादशी जलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर मंगलवार को शहर के चौक बाजार महाजन पट्टी स्थित सत्यनारायण मंदिर,हनुमान मंदिर रामनाथ मंदिर और राधाकृष्ण मंदिर से दोपहर बाद जल झूलनी एकादशी को लेकर पालकी झांकी निकाली गई।पुरोहित महेंद्र शर्मा ने बताया कि भाद्रपद कृष्णा अष्टमी को भगवान श्री कृष्णा का जन्म हुआ।जिसे हमलोग जन्माष्टमी के रूप में मनाते है। जब भगवान श्रीकृष्ण कान्हा के रूप में कुछ बड़ा हुआ तो माता यशोदा एक खूबसूरत पालकी में सजाकर कान्हा को गंगा पूजन करने लेकर जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन को भाद्रपद शुक्ल एकादशी या जल झूलनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।वही शहर के चौक बाजार महाजन पट्टी स्थित सत्यनारायण मंदिर,हनुमान मंदिर,श्री रामनाथ मंदिर व श्री राधाकृष्ण मंदिर से दोपहर बाद एक साथ पालकी के साथ झांकी निकाली जाती है,जिसमें कान्हा को पालकी में बिठाकर गंगा तट लेकर ढोल नगाड़ा गाजे बाजे बैंड बाजा के साथ लेकर जाया जाता है। वही चौक बाजार सतसंग भवन समीप कुछ देर के लिए झांकियां रोकी जाती है,जहां महिलाए बुजुर्ग बच्चे पूरे परिवार के साथ पूजन कर-के प्रसाद लेते है और डोली के नीचे से निकलने से सुख शांति वैभव आपसी प्रेम दीघार्यु की प्राप्ति होती है।मौके पर दर्जनों भक्त उपस्थित थे।

37वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स में एमानुएल किस्कू ने 80 मीटर हर्डल्स में जीता रजत पदक

साहिबगंज : 22-24 सितंबर 2026 तक आयोजित 37वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता, पटना के पहले दिन जिले में खेल विभाग द्वारा सिदो कान्हु स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र साहिबगंज के ट्रेनी एमानुएल किस्कू ने बालक अंडर 16 वर्ष आयु वर्ग के 80 मीटर हर्डल्स में 10.42 सेकेंड के साथ रजत पदक जीता जबकि इस स्पर्धा का स्वर्ण बिहार के 80 मीटर हर्डल्स के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता रोहित राज ने 10.38 से. एवं तृतीय उड़ीसा ए.साह 10.43 से. के साथ तृतीय स्थान पर रहे।वहीं एमानुएल किस्कू बालक अंडर 16 वर्ष 60 मीटर दौड़ में 7.25 से.के साथ पांचवे स्थान एवं पृथ्वी राज मंडल बालक अंडर 18 जेवलिन थ्रो में छठे स्थान पर रहे।ज्ञातव्य हो जिले के कुल 11 प्रतिभागियों इस प्रतियोगिता में शामिल हैं।इस प्रतियोगिता में झारखंड,बिहार,पश्चिम बंगाल, उड़ीसा,असम,मिजोरम मणिपुर, त्रिपुरा मेघालय सिक्किम,नागालैंड अरुणाचल प्रदेश,अंडमान एवं निकोबार की टीम भाग ले रही है।जिले के विजेता एथलीट एमानुएल किस्कू को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक संजय कुमार,जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव,सचिव माधव चंद्र घोष,कल्याण श्रीवास्तव,ओम तत्सत,कोच योगेश यादव,अशोक साहनी,निमाई चौधरी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

दहला दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुनील सिन्हा महासचिव घोकू बना

साहिबगंज : शहर के दहला दुर्गा पूजा समिति का बैठक देर रात्रि को दुर्गा मंदिर प्रांगण में सुनील सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं धूमधाम से दुर्गा पूजा मानने को लेकर चर्चा की गई।वही पूजा के बाद भव्य मंदिर का निर्माण कराने का भी चर्चा किया गया।अध्यक्ष सुनील सिन्हा ने कहा कि पहली प्राथमिकता इस बार हम लोग मां दुर्गा की पूजा करने के बाद एक भव्य मां दुर्गा की मंदिर का नवनिर्माण करना है।इस बार मां दुर्गा की पूजा भव्यरूप से किया जाएगा।पूजा का बजट लगभग 7 लाख रुपए का है।जिसमे मां की प्रतिमा,भव्य पंडाल,विद्युत साज सज्जा,आकर्षक भव्य विसर्जन जुलूस,भोग,झांकी प्रस्तुत किया जाएगा।वही दुर्गा पूजा को लेकर सर्वसम्मति से अध्यक्ष सुनील सिन्हा,महासचिव आनंद कुमार चौधरी उर्फ घोकू,सचिव लक्ष्मण कुमार यादव,कोषाध्यक्ष नीरज कुमार पांडे,उपाध्यक्ष मनीष कुमार खुडानिया,रविंद्र कुमार यादव,प्रवीण यादव,सागर शर्मा,अभिषेक सिन्हा,गौरव सिंह,संरक्षक बजरंगी प्रसाद यादव,चेतन भरतीया,नवीन भगत,पंकज कुमार सिन्हा,अखाड़ा प्रभारी रवि कुमार शर्मा,आदिल मोदी,देव कुमार पारीक,मोहित कुमार शर्मा सहित अन्य का चयन किया गया।मौके पर स्थानीय मुहल्ले वासी व भक्त उपस्थित थे।

इंडिया गेट की थीम पर बनेगा दुर्गा मंडल रोल का पूजा पंडाल

चंदवा : दुर्गा मंडल रोल, महुआमिलान में दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता पूजा समिति के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने की। बैठक में पूजा पंडाल के निर्माण, श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन और पूजा आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गयी। सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी।समिति के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने बताया कि इस वर्ष दुर्गा मंडल रोल का पूजा पंडाल इंडिया गेट की थीम पर बनाया जायेगा। पंडाल को भव्य और आकर्षक रूप देने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लाल किले की थीम पर बना पंडाल लोगों के बीच काफी चर्चित रहा था। इस बार भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करने वाला पंडाल तैयार किया जायेगा।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि दुर्गा मंडल रोल में इस वर्ष पूजा का 19वां वर्ष है। जब यहां पूजा की शुरूआत हुई थी, उस समय यह क्षेत्र अति नक्सल प्रभावित माना जाता था। इसके बावजूद ग्रामीणों के सहयोग से लगातार पूजा का आयोजन होता रहा है। उन्होंने बताया कि पूजा-अर्चना पूरी तरह पारंपरिक पद्धति से संपन्न की जायेगी। वहीं, दशमी के दिन आयोजित होने वाली जतरा भी पूजा महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगी।

बैठक में समिति के सदस्यों ने आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ नियंत्रण और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव रखे।

इस अवसर पर सतपाल घटवार, सूर्यनाथ सिंह, हेमंत चावड़ा, आशीष सिंह, कोलेशर यादव, अजीत शाहदेव, मनोज यादव, लखन प्रजापति, जय प्रकाश घटवार, आलोक कुमार, बल्कु मुंडा, दिलीप साव, पवन प्रजापति, शंभू यादव, रवींद्र गोप, पिंटू प्रजापति, राहुल शाहदेव, दीपक शाहदेव, सुरेंद्र यादव, विशुन रजवार, रामचंद्र घटवार, गणेश प्रजापति, विनोद प्रजापति, सत्यम शाहदेव, रतन देव भगत, शंकर मुंडा, बैजू मुंडा, राजेश यादव, केश्वर यादव, रविंद्र यादव, अमृत प्रजापति, आकाश गुप्ता, उपेंद्र यादव समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

चंदवा अस्पताल में सफाई अभियान को लेकर भाजपा नेता ने उठाए सवाल

- साफ परिसर में अभियान चलाने पर आदर्श रविराज ने जताई आपत्ति
- कंपनी ने कहा— ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न के तहत चलाया जा रहा था जागरूकता कार्यक्रम, सीएसआर मद से नहीं

चंदवा : चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मंगलवार को एनएलसी कंपनी की ओर से चलाए जा रहे सफाई एवं जागरूकता अभियान को लेकर उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब भाजपा नेता आदर्श रविराज मौके पर पहुंचे। रविराज ने अस्पताल परिसर में सफाई अभियान चलाए जाने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जब परिसर पहले से ही साफ-सुथरा है, तो ऐसे स्थान पर सफाई अभियान चलाने का औचित्य क्या है। इसी बात को लेकर भाजपा नेता और कंपनी के कर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

रविराज ने कहा कि यदि उद्देश्य वास्तव में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना है, तो अभियान उन स्थानों पर चलाया जाना चाहिए, जहां गंदगी, कचरा और प्रदूषण की समस्या है। इससे लोगों को वास्तविक लाभ मिलेगा और स्वच्छता का संदेश भी प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।

मौके पर रविराज ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से भी अस्पताल की सफाई व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि कंपनी की ओर से पूर्व में घास काटने की मशीन, पौधे और स्टील रेलिंग उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। इसी क्रम में कंपनी के लोगों से अस्पताल के पीछे के हिस्से में सफाई कराने को कहा गया था।

वहीं, कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया कि अस्पताल परिसर में चलाया जा रहा कार्यक्रम सीएसआर मद के तहत नहीं, बल्कि ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कंपनी का कहना था कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

इधर, रविराज ने कहा कि एनएलसी को बालूमाथ क्षेत्र में कोयला खनन का कार्य मिला है। ऐसे में कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत खनन क्षेत्र और उससे प्रभावित गांवों की समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धूल, प्रदूषण और गंदगी से प्रभावित इलाकों में नियमित स्वच्छता और जनजागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

रविराज ने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए, बल्कि इसका सीधा लाभ आम लोगों तक पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले को लेकर विधायक और सांसद के समक्ष बात रखने की बात कही।

आर्म्स एक्ट के नामजद अभियुक्त के घर चिपकाया गया इश्तेहार

चंदवा : चंदवा थाना कांड संख्या 112/25 के आर्म्स एक्ट के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त राहुल कुमार सिंह के चेटर स्थित आवास पर न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। पुलिस टीम ढोल-नगाड़े के साथ अभियुक्त के घर पहुंची और इश्तेहार चिपकाकर विधिवत तामीला कराया।

कार्रवाई के दौरान आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी। पुलिस ने न्यायालय के आदेश की जानकारी देते हुए इश्तेहार को अभियुक्त के घर पर चिपकाया। पुलिस के अनुसार, उक्त कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गयी है।

पुलिस ने बताया कि मामले में राहुल कुमार सिंह नामजद प्राथमिकी अभियुक्त है। न्यायालय के आदेश के तहत आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

एमएमआरडी बिल और चंदा चोरी के खिलाफ कांग्रेस का लोक भवन घेराव

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष बरकत खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में साहिबगंज जिला प्रभारी सह प्रदेश महासचिव मुन्नम संजय ने शिरकत की।आगामी 26 सितंबर को एमएमआरडीए बिल के खिलाफ कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित लोक भवन घेराव और मार्च को लेकर रणनीति तय की गई।बैठक में मौजूद प्रदेश कांग्रेस के नेता ने कहा कि घेराव में साहिबगंज जिले की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रखंडों के पदाधिकारियों और जिला पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है,ताकि अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता रांची पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में यह लड़ाई लड़ी जा रही है।उन्होंने एमएमआरडी बिल को काला कानून बताते हुए कहा कि यह सरकार द्वारा झारखंड पर जबरन थोपा जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के खनिज बालू पर लगने वाले टैक्स से राज्य को वंचित किया जा रहा है,जो संविधान के विपरीत है।वर्षों से यह परंपरा रही है कि जिस पंचायत,जिस राज्य का खनिज होगा,उसका टैक्स वहीं मिलेगा।इस बिल से सरकार की मंशा स्पष्ट होती है।वहीं उन्होंने भाजपा सरकार पर चंदा चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए लोगों की आस्था से जुड़े चंदे के साथ खिलवाड़ किया गया है।कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर संसद से सड़क तक आंदोलन करेगी। यह देश संविधान और कानून से चलता है।बताया कि रांची में लोकभवन घेराव के बाद 5 से 12 अक्टूबर के बीच सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।मौके पर अनुकूल मिश्रा,मो कलीमुद्दीन बास्कीनाथ यादव, सरफराज आलम,मो रिजवान नूरजहां बीबी,अली कुरैशी सहित जिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी और प्रखंड अध्यक्ष मौजूद थे।

इस्पात मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति में मनोनीत हुए सांसद बैद्यनाथ राम

झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव समेत कार्यकताओं ने दी बधाई

लातेहार : राज्यसभा सांसद एवं झामुमो केंद्रीय उपाध्यक्ष बैद्यनाथ राम को भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर झामुमो कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है। पार्टी नेताओं ने सांसद को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने बैद्यनाथ राम के मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ झारखंड के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सांसद लगातार जनहित से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाते रहे हैं। शाहदेव ने कहा कि इस्पात मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति में उनकी भागीदारी से झारखंड के खनिज संसाधनों, औद्योगिक विकास और स्थानीय हितों से जुड़े विषयों को राष्ट्रीय स्तर पर रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बैद्यनाथ राम अपने अनुभव और दूरदर्शिता के साथ नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

सांसद बैद्यनाथ राम को बधाई देने वालों में प्रभात कुमार,

कोषाध्यक्ष मनोज यादव, प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, सीतामोहन मुंडा, रंजीत उरांव मनोज चौधरी, संजय कुमार यादव, अंकित तिवारी, मो. सरफराज, मो. नौशाद, धन्नू खान अश्विनी कुमार मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, रोहित अग्रवाल, अंकित पांडेय, मनीष कुमार चांदो, दारा सिंह, पवन कुमार, अंकित कुमार, , समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता शामिल हैं।

एशियाई खेलः जय मीना ने रचा इतिहास, सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला पदक पक्का

एजेंसी

आइची-नगोया : भारतीय सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीना ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत का सॉफ्ट टेनिस में एशियाई खेलों का पहला पदक भी पक्का हो गया है। जय मीना ने बुधवार को रोमांचक क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को 4-3 से हराया। उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में जय ने 0-4, 4-2, 2-4, 5-3, 2-4, 7-5 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही जय का पदक पक्का हो गया है, क्योंकि अंतिम चार में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को पदक मिलता है।

अब जय की नजरें सेमीफाइनल पर हैं, जहां जीत उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचा देगी। आइची-नगोया में उनका शानदार अभियान भारत के लिए सॉफ्ट टेनिस में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है।

जय का सॉफ्ट टेनिस से जुड़ाव लगभग संयोग से हुआ। बचपन में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने पहली बार सॉफ्ट टेनिस कोर्ट देखा। शुरूआत में वह खिलाड़ियों को देखने और बॉल बॉय के तौर पर मदद करने लगे, लेकिन धीरे-धीरे खुद इस खेल को खेलने लगे। स्कूल और जिला स्तर से आगे बढ़ते हुए उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहचान बनाई। 14 साल की उम्र में ही उन्होंने सॉफ्ट टेनिस के गढ़ जापान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। जय ने 2022 में गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शीर्ष सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों में अपनी जगह मजबूत की। उन्होंने पुरुष टीम और युगल स्पधाओं में भी मध्य प्रदेश की पदक जीतने वाली टीमों में योगदान दिया। 2025 में वह पुरुष एकल में राष्ट्रीय चैंपियन बने। 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों में जय ने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था और पुरुष टीम स्पर्धा में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद 2024 में आध्या तिवारी के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इस प्रतियोगिता में पहला पदक हासिल किया। 2025 की एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में जय पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस प्रतियोगिता में कुल चार पदक अपने नाम किए। आइची-नगोया एशियाई खेलों में यह उनका तीसरा एशियाई खेल है। इससे पहले वह जकार्ता 2018 और हांगझोउ 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जय की उपलब्धियों में 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल कांस्य, 2025 एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल, मिश्रित युगल, पुरुष टीम और मिश्रित टीम के कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने 2026 सुनचांग ओपन में पुरुष एकल कांस्य और 2024 कोरिया कप में मिश्रित युगल कांस्य भी जीता है।

इसके अलावा जय ने पहले दक्षिण एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीते हैं। दूसरे इंडिया इंटरनेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भी उन्होंने पुरुष एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक हासिल किए।

एशियाई खेलः मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

आइची-नगोया : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने क्वालीफिकेशन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और शीर्ष तीन में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत की ईशा सिंह 572 अंक के साथ 15वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वहीं, सुरुचि सिंह ने 568 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया।

शूटिंग में भारत की पदक तालिका

भारत को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में वियतनाम से पदक के लिए कड़े मुकाबले में हार मिली। दोनों टीमों के 1719 अंक बराबर रहे, लेकिन इनर-10 के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा। भारत ने एशियाई खेलों में शूटिंग से अब तक पांच पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। हालांकि, भारतीय निशानेबाजों को अब भी स्वर्ण पदक का इंतजार है।

रोहित रॉय के 'डस्टबिन मीडियम' बयान से असहमत दिखीं आशा नेगी

टीवी को बताया अपनी सफलता की वजह

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस आशा नेगी ने एक्टर रोहित रॉय के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहा था। आशा नेगी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि रोहित ने किस इरादे से ऐसा कहा या किस तरह की निराशा के चलते उन्होंने ऐसा बयान दिया। दरअसल, अभिनेता रोहित रॉय ने एक इंटरव्यू के दौरान छोटे पर्दे को 'डस्टबिन मीडियम' बताया था और कहा था कि फिल्म स्टार्स में एक अलग तरह का 'स्टाइल और क्लास' होता है जो टीवी एक्टर्स में नहीं होता। आशा नेगी ने बातचीत में कहा कि टीवी ने ही उन्हें पहचान दी है और आज वह जिस मुकाम पर हैं, वह टेलीविजन की वजह से ही है। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे उनका इरादा क्या था। लोग किस दौर से गुजरते हैं, उन्हें किस तरह की निराशा हुई है, उन्होंने जो कहा उस पर मैं टिप्पणी नहीं कर सकती। हां आज मैं जो कुछ भी हूं, वो टीवी की वजह से हूं, जिसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं। ' एक्ट्रेस आशा नेगी ने अंकिता लोखंडे और दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत स्टारर शो 'पवित्र रिश्ता' के जरिए पहचान बनाई थी। आशा ने कहा, 'मेरे लिए तो टेलीविजन ने ही मुझे सब कुछ दिया है। टेलीविजन की वजह से ही मैं घर-घर में पहचानी गई और आज भी लोग मुझे 'पवित्र रिश्ता' में मेरे किरदार पूर्वी के नाम से बुलाते हैं। ' उन्होंने कहा कि वह टेलीविजन की आभारी हैं और जो कुछ उन्हें टीवी से मिला है, वह सिनेमा या ओटीटी कभी नहीं दे सकता। अभिनेत्री आशा नेगी इस समय लेटेस्ट हॉरर-कॉमेडी, एडवेंचर और मिस्ट्री वेब सीरीज 'अली बाबा और 40 भूत' में नजर आ रही हैं।

फिल्मों में रिश्तों, दर्द और जिंदगी की सच्चाई को उतारने वाले

महेश भट्ट की जिंदगी भी है 'फिल्मी'

हिंदी सिनेमा में कुछ फिल्मकार ऐसे रहे हैं जिन्होंने सिर्फ फिल्में नहीं बनाई, बल्कि अपनी कहानियों के जरिए समाज, रिश्तों और इंसानी भावनाओं को पर्दे पर उतारा। महेश भट्ट भी ऐसे ही निर्देशकों में शामिल हैं। करीब पांच दशक लंबे फिल्मी सफर में महेश भट्ट ने 'सारांश' जैसी गंभीर फिल्म हो या 'आशिकी' जैसी रोमांटिक कहानी, उन्होंने हर बार दर्शकों के दिलों पर अलग छाप छोड़ी। 20 सितंबर 1948 को मुंबई में जन्मे महेश भट्ट का बचपन आसान नहीं था। पिता नानाभाई भट्ट भी फिल्म निर्माता थे, लेकिन उन्होंने महेश की मां शिरीन मोहम्मद अली से शादी नहीं की थी। इस वजह से महेश भट्ट को तानों का सामना करना पड़ता था। घर की आर्थिक हालत भी अच्छी नहीं थी। इन सबके चलते महेश भट्ट ने ठान लिया था कि वे जिंदगी में सफलता की सीढ़िया चढ़ेंगे। महेश भट्ट का फिल्म इंडस्ट्री में खास संपर्क नहीं था, लेकिन फिल्मों के प्रति उनका जुनून उन्हें महबूब स्टूडियो तक ले गया। महेश भट्ट ने स्टूडियो में काम पाने के लिए झूठ बोला। उन्होंने कहा कि वह फिल्म निर्देशक राज खोसला को जानते हैं। जब उनसे सच पूछा गया, तो उन्होंने झिझकते हुए सब कुछ बता दिया। इस पर राज खोसला ने उनकी ईमानदारी को सराहा और अपनी टीम में उन्हें असिस्टेंट बना लिया। यहीं से महेश भट्ट के फिल्मी करियर की असली शुरुआत हुई थी। 1974 में महेश भट्ट ने 'मंजिलें और भी हैं' फिल्म से निर्देशन की शुरुआत की। शुरुआती दौर में ही उनकी फिल्मों में व्यक्तिगत अनुभवों और समाज के वास्तविक मुद्दों की झलक दिखाई देने लगी थी। भट्ट ने 'अर्थ', 'सारांश', 'नाम', 'अवारगी', और 'कश्मकश' जैसी फिल्में बनाई, जिनमें समाज को असली आईना दिखाया। 1984 में आई फिल्म 'सारांश' को खूब सराहा भी गया।

महेश भट्ट ने 1990 के दशक में विशेष फिल्म्स नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। इस बैनर के तले उन्होंने 'राज', 'मर्डर', 'जिस्म', 'जन्नत', और 'आशिकी 2' जैसी हिट फिल्मों को प्रोड्यूस किया। इन फिल्मों ने न सिर्फ नए कलाकारों को मौका दिया, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी खूब कमाई की। 1998 की फिल्म 'जख्म' ने भट्ट को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया। 'हम हैं राही प्यार के', 'तमन्ना', और 'गुड़िया' जैसी फिल्मों के लिए भी भट्ट ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीते।

हीरोइन से हुई गंदी फरमाइश

'अगर आप ब्रा-अंडरवियर में एक्शन सीन करें तो?'

अपनी बेबाक अदाकारी के लिए मशहूर राधिका आप्टे ने इंडस्ट्री में इंटीमेट और न्यूड सीन्स के नाम पर होने वाले शोषण को लेकर बात की है. हालिया बातचीत में राधिका ने अपने साथ हुए असहज करने वाले अनुभवों को याद करते हुए बड़ा खुलासा किया. उन्होंने बताया कि कैसे एक फिल्म के सेट पर मेकर्स ने उनसे किसिंग सीन करने का दबाव बनाया और हद तो तब हो गई जब एक्शन सीक्वेंस के लिए उन्हें सिर्फ इनरवियर पहनने की सलाह दे डाली. राधिका के इस सनसनीखेज बयान ने एक बार फिर फिल्म जगत के काले सच को जगजाहिर कर दिया है. बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने कई फिल्मों में अपने हुनर का जलवा बिखेरा है. अब राधिका ने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जो हैरान करने वाला है. फिल्मों में इंटीमेट और न्यूड सीन्स को लेकर पहले भी वह कई बार खुलकर बोल चुकी हैं, खासकर तब जब कहानी में ऐसे सीन्स की कोई खास जरूरत ही न हो. अब एक इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने बताया कि जब उन्होंने कुछ फिल्मों में न्यूड सीन्स किए, तो इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने मान लिया कि वह आगे भी बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसे सीन्स करने के लिए तुरंत तैयार हो जाएंगी. जूम को दिए इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने इंडस्ट्री के माहौल पर बात करते हुए कहा, 'शुरुआत में मैंने चार-पांच ऐसी फिल्में की थीं जिनमें मैं पूरी तरह न्यूड थी. इसके बाद तो कई लोगों ने यह मान ही लिया ये तो कर ही लेगी ना.' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे में मुझे खुद उन्हें समझाना पड़ता था कि देखिए, मैं यह नहीं करूंगी. अब जब मैं ये सब कर चुकी हूं, तो मुझे चीजों की बेहतर समझ है. अब मैं सीधे सवाल पूछती हूं कि आपको यह सीन चाहिए ही क्यों? आप क्यों चाहते हैं कि मैं इस वक्त किस करूं? इसके जवाब में वे कहते हैं कि कर लो ना थोड़ा सा. आप हैरान रह जाएंगे, लोग अक्सर कहते हैं कि बस थोड़ा सा किसिंग सीन है, 15 सेकेंड का इम्प्रोवाइजेशन है. यह सुनकर मैं यही कहती कि माफ कीजिए, क्या कहा आपने?'.

अरे बाप रे !

1.48 लाख करोड़ की कमाई, टॉम क्रूज, ब्रैड पिट सब पीछे,

स्पाइडरमैन फेम टॉम हॉलैंड बने दुनिया के हाइएस्ट ग्रॉसिंग एक्टर

टॉम हॉलैंड ने 30 साल की उम्र में एक ऐसा कमाल कर के दिखाया है जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी. वे करियर के लिहाज से सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों के एक्टर्स की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए हैं. स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे फिल्म साल 2026 की रिकॉर्ड मेकिंग फिल्म साबित हुई है. ये फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दुनिया की तीसरी फिल्म तो बन ही गई है. साथ ही अब स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे के एक्टर टॉम हॉलैंड ने भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया है. कई सारी सुपरहीरो फिल्म्स में नजर आए हॉलीवुड एक्टर अब दुनिया के हाइएस्ट ग्रॉसिंग एक्टर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने टॉम क्रूज, रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ब्रैड पिट समेत कई बड़े नामों को पीछे छोड़ ये उप्लब्धि हासिल की है. टॉम हॉलैंड अब करियर में फिल्मों द्वारा कुल कलेक्शन करने के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं. टॉम हॉलैंड ने स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे फिल्म के जरिए ये सफलता हासिल की.

फिल्मों से निकाले जाने पर बहुत तकलीफ होती थी

खुद से सवाल करती थी

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बचपन से ही संगीत और मंच से जुड़ाव

तारा सुतारिया का जन्म 19 नवंबर 1995 को मुंबई में हुआ। उन्हें बचपन से संगीत और परफॉर्मिंग आर्ट्स में रुचि थी। उन्होंने कम उम्र में गायन की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। संगीत के अलावा नृत्य और मंच पर प्रस्तुति देने का भी अनुभव रहा है। वह लगभग 15 साल की उम्र से मंच पर प्रस्तुति दे रही थीं। तारा हमेशा गायिका और परफॉर्मर बनना चाहती थीं। बॉलीवुड में अभिनय का मौका मिलने के बाद भी संगीत उनके लिए महत्वपूर्ण बना रहा। तारा ने म्यूजिकल थिएटर में भी काम किया। वह रैल पदमसी के प्रोडक्शन 'ग्रीस' और अश्विन गिडवानी के 'ब्लेम इट ऑन यशराज' जैसे म्यूजिकल प्रोजेक्ट्स से जुड़ी रहीं।

ईरान के अधिकारी मिले अमेरिका के विशेष दूत विटकॉफ से, अगली बैठक जल्द: ट्रंप

एजेंसी

न्यूयॉर्क : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ तीन घंटे तक बातचीत की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द एक और बैठक होगी। विटकॉफ ने कहा कि बैठक अच्छी रही। यह जून में स्विट्जरलैंड में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ समझौता ज्ञापन पर सहमति के लिए हुई पहली मुलाकात है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि विटकॉफ के साथ हुई बैठक में उनके विदेशमंत्री अब्बास अरागची शामिल हुए और कतर के राजनयिकों ने इसमें मध्यस्थता की। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि ईरान एक सप्ताह के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर सैन्य और आर्थिक दबाव को कम करने पर तैयार हो जाए तो बात बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए सात कठिन शर्तें रखी थीं। इनमें सभी मोर्चों पर अमेरिकी युद्ध को खत्म करना और प्रतिबंधों सहित ईरान के खिलाफ सभी आक्रामक कार्रवाई को रोकना शामिल था।

इस बीच एक ईरानी अधिकारी ने जापानी समाचार एजेंसी क्योडो को बताया कि यह नया रुख उन शर्तों में से कुछ में ढील देने से जुड़ा होगा। अधिकारी ने दावा किया कि इस रुख को ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई और देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने मंजूरी दे चुके हैं। हालांकि, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के करीबी प्रमुख ईरानी मीडिया ने किसी भी नए रुख को अपनाने से इनकार किया है।

ईरान के रणनीतिक केशम द्वीप के पास जोरदार धमाके

तेहरान, 23 सितंबर (हि.स.)। ईरान के रणनीतिक केशम द्वीप के पास जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह आवाज समुद्र की तरफ से आई। फिलहाल द्वीप के भू-भाग पर किसी मिसाइल या रॉकेट के गिरने की पुष्टि नहीं हुई है। यह रणनीतिक इलाका होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है। अनादोलू की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी मीडिया और इरना न्यूज एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। इरना ने साफ किया है कि यह आवाज जमीन की तरफ से नहीं, बल्कि समुद्र की तरफ से आई थी। एजेंसी ने कहा कि द्वीप पर कोई रॉकेट या मिसाइल नहीं गिरी। स्थानीय अधिकारियों ने धमाके की असल वजह पर अब तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित केशम द्वीप खाड़ी का सबसे बड़ा द्वीप है। यह घटना होर्मुज में लगातार चल रहे समुद्री और सैन्य तनाव के बीच हुई है। यह ऊर्जा के परिवहन का एक अहम रास्ता है और ईरान से जुड़े संघर्षों का मुख्य केंद्र रहा है। इससे पहले 16 सितंबर को भी केशम द्वीप के तटवर्ती इलाके में धमाके हो चुके हैं।

स्वर्ण कारोबारी से लाखों के आभूषण की लूट

कामरूप (असम) : कामरूप (ग्रामीण) जिले के बाइहटा चाराली इलाके में डकैतों के एक दल द्वारा आभूषण की व्यापारी से लूटपाट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात पिस्तौल दिखाकर पांच हथियारबंद लोगों द्वारा एक डकैती की घटना को अंजाम दिया गया। अलंकार ज्वेलर्स के मालिक प्रवीण चंद्र डेका के घर के सामने पांच हथियारबंद लोगों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। व्यापारी से नगद के अलावा सोने के आभूषण से भरे बैग लेकर डकैत मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की एक टीम पहुंची। ज्ञात हो कि डकैती की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। जिसके आधार पर पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर डकैती में शामिल सभी डकैतों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

गहरे अवदाब के असर से आज पूरे बंगाल में बारिश का दौर जारी

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल की खाड़ी में बने गहरे अवदाब के प्रभाव से पश्चिम बंगाल में बारिश का दौर जारी रहेगा। अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। दक्षिण बंगाल के साथ उत्तर बंगाल में भी मौसम सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव मंगलवार को गहरे दबाव में बदल गया। यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है और 23 सितंबर की रात तक उत्तर आंध्र प्रदेश तथा दक्षिण ओडिशा तट के बीच से गुजरने की संभावना है। इसके प्रभाव से पश्चिम बंगाल में मानसूनी गतिविधियां तेज रहेंगी। अलीपुर मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल के साथ गंगीय पश्चिम बंगाल के लिए भी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। बुधवार को भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना है। 24 सितंबर को गंगीय पश्चिम बंगाल में बहुत भारी बारिश की चेतावनी है, जबकि 25 सितंबर को भी भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। कोलकाता और आसपास के इलाकों में बुधवार को सामान्य तौर पर बादल छाए रहने के साथ कुछ दौर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कोलकाता-हावड़ा क्षेत्र के लिए न्यूनतम तापमान करीब 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। गरज-चमक के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

दक्षिण बंगाल के जिलों में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना सहित तटीय और आसपास के इलाकों में बारिश के साथ तेज हवा और वज्रपात की स्थिति बन सकती है। पश्चिमी जिलों में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। उत्तर बंगाल में भी कई स्थानों पर बारिश और गरज-चमक का दौर रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश का प्रभाव अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। 26 सितंबर से भारी बारिश की चेतावनी फिलहाल नहीं है, हालांकि कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मछुआरों को समुद्र की स्थिति को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के समुद्री बुलेटिन के अनुसार गहरे अवदाब के प्रभाव से ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटीय समुद्री क्षेत्र में समुद्र अशांत से बहुत अशांत रह सकता है।

असम में 28 अवैध विदेशियों को हिरासत में लिया गया

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को कहा कि राज्य में जारी अभियान के दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 28 लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्हें उन्होंने अवैध विदेशी बताया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मानकाचर पुलिस ने एक व्यक्ति के घर से छह ह्यअवैध विदेशियोंह्न (बांग्लादेशी) को हिरासत में लिया। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही, उन्हें कथित तौर पर आश्रय देने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी जांच जारी है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में मंगलवार को चलाए गए अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से 22 अन्य ह्यअवैध विदेशियोंह्न को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस का यह अभियान आगे भी सक्रिय रूप से जारी रहेगा।

सेवा ज्योति कार्यक्रम के तहत छपरा में निकाली गई साइकिल रैली

एजेंसी

सारण : जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज सेवा ज्योति यात्रा के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। शहर के राजेंद्र स्टेडियम से प्रातः 07:00 बजे शुरू हुई इस यात्रा में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा भारत स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स ने उत्साह के साथ भाग लिया। यह साइकिल यात्रा राजेंद्र स्टेडियम से प्रारंभ होकर थाना चौक और नगरपालिका चौक होते हुए पुनः राजेंद्र स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें बी. सेमिनरी, सारण ऐकडमी जिला स्कूल, लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय और डी.ए.वी. मध्य विद्यालय सहित छपरा के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता, अनुशासन एवं सामुदायिक दायित्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने आमजन को सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं के इस उत्साहजनक प्रयास ने समाज को सकारात्मक ऊर्जा और एकजुटता का एक सुंदर संदेश दिया।

नेपाल को पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका देगा 31 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त सहायता

एजेंसी

काठमांडू : अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्स्थापना और पुनर्निर्माण के लिए अतिरिक्त 31 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की राजनीतिक मामलों की उपसचिव एलिसन हुकर ने न्यूयॉर्क में नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल के साथ मुलाकात के दौरान यह घोषणा की। बैठक में हुकर ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों और अब भी लापता करीब 70 अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अमेरिका ने प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन बुनियादी ढांचे की बहाली और क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करने के लिए 10 मिलियन डॉलर मूल्य के स्थायी तथा जरूरत के अनुसार स्थापित किए जा सकने वाले पुल उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इन पुलों की खरीद अमेरिकी कंपनियों से की जाएगी। इसी तरह, प्रभावित समुदायों के लिए पेयजल, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, आश्रय, संरक्षण, आजीविका और सर्दियों के लिए आवश्यक सहायता समेत विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त 8 मिलियन डॉलर उपलब्ध कराने की योजना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और आयुष क्षेत्र की उन्नति के लिए कई जनकल्याणकारी पहलों का भी शुभारंभ करेंगे। साथ ही, विभाग के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी होगा। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के रजत जयंती ऑडिटोरियम में प्रातः 11 बजे से होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार करेंगे। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री एवं भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन के दौरान जनसामान्य को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से जोड़ने के लिए एक विशेष आयुर्वेद प्रदर्शनी लगाई जाएगी और पर्यावरण संरक्षण व स्वास्थ्य संवर्धन के संदेश के साथ औषधीय पौधारोपण भी किया जाएगा।

शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इनकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 119.24 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,648.32 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक 280 अंक से अधिक उछल कर 74,812.74 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 182.74 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,711.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 23.15 अंक यानी 0.10 प्रतिशत उछल कर 23,352.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक लगभग 85 अंक की छलांग लगा कर 23,414.55 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 48.45 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,377.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,382 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,882 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 500 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 8 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 2.10 प्रतिशत से लेकर 1.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, विप्रो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर 0.69 प्रतिशत से लेकर 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 329.91 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,529.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 85.30 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,329 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

न्यूयॉर्क में नेपाल के विदेशमंत्री खनाल ने एस. जयशंकर से की मुलाकात

काठमांडू : नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की 81वीं महासभा के अवसर पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने मुलाकात के दौरान नेपाल में हाल ही में आई विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ के बाद भारत सरकार और भारतीय जनता की ओर से व्यक्त की गई एकजुटता तथा तत्काल उपलब्ध कराई गई महत्वपूर्ण सहायता के लिए धन्यवाद दिया। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक बैठक में दोनों मंत्रियों ने नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं और आपसी हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। दोनों के बीच नेपाल और भारत के बीच लंबे समय से कायम घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने तथा द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय आज रायपुर और रायगढ़ के विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को रायपुर और रायगढ़ जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 11:40 बजे से दोपहर 12:20 बजे तक रायपुर में आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री दोपहर 12:40 बजे से 1:40 बजे तक बिरगांव में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे वह दो दिवसीय रायगढ़ प्रवास के लिए रवाना होंगे। रायगढ़ में मुख्यमंत्री भाषा शिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही रात्रि में आयोजित चक्रधर समारोह के समापन कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। उनका रात्रि विश्राम रायगढ़ स्थित सर्किट हाउस में होगा। 24 सितंबर को मुख्यमंत्री साय रायगढ़ में सेवा संकल्प-सेवादान तथा वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान वह घाट विकास परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह करीब 11:35 बजे रायपुर लौट आएंगे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल आज 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों के बीच जेन-जी से करेंगे संवाद

रायपुर : रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल आज बुधवार को कृषि मंडपम में आयोजित 'नया भारत उत्सव' में जेन-जी के युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस उत्सव में 100 से अधिक कॉलेजों के 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उत्सव में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

नूंह : नूंह जिले में तावडू-नूंह रोड पर मंगलवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में पिता और उसके तीन बच्चों की मौके पर ही मौत होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, मौलाना शाबिर बच्चों को पढ़ाने के बाद अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान मारिया मंजिल स्कूल के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पिता और तीनों बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू की। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर नूंह के सरकारी अस्पताल में रखवा दिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

25 सितंबर को एक करोड़ कंठों से गूंजेगा वंदे मातरम

सीवान : वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 25 सितंबर को देशभर में ह्यनमामि भारतम्ह्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत सुबह 11 बजे देश के लाखों स्थानों पर एक साथ राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्न का सामूहिक गायन होगा। आयोजन में एक करोड़ से अधिक लोगों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता के प्राचार्य प्रकोष्ठ में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें विद्या भारती उत्तर बिहार प्रांत इकाई, लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह ने बताया कि देशभर में संचालित विद्या भारती के 12,500 विद्यालय इस अभियान के प्रमुख केंद्र होंगे। इन विद्यालयों के करीब 30 लाख विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक सामूहिक गायन में शामिल होंगे। वहीं, विद्या भारती से जुड़े करीब 25 लाख पूर्व छात्रों को भी अभियान से जोड़ा जा रहा है। रामलाल सिंह ने कहा कि ह्यनमामि भारतम्ह्न केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभावना को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है। देशभर में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को एक साथ एक करोड़ कंठों से ह्यवंदे मातरम्ह्न का स्वर देश की एकता, अखंडता और मातृभूमि के प्रति समर्पण का संदेश देगा। विद्या भारती बिहार के कार्यकारिणी सदस्य एवं महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता के अध्यक्ष डॉ. शरद चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम को विद्यालयों की सीमा से बाहर निकालकर समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने की योजना है। इसके लिए सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं को भी अभियान से जोड़ा जा रहा है। विद्या भारती बिहार के मीडिया समन्वयक नवीन सिंह परमार ने बताया कि उत्तर बिहार प्रांत के 21 जिलों में करीब 500 स्थानों पर सामूहिक गायन होगा। इसमें लगभग पांच लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। वहीं, सीवान विभाग निरीक्षक अनिल कुमार राम ने बताया कि सिवान, छपरा और गोपालगंज जिलों में कुल 61 स्थानों पर कार्यक्रम प्रस्तावित है। इन स्थानों पर करीब एक लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। सिवान शहर के होटल सफायर इन में भी विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिक शामिल होंगे। पत्रकार वार्ता में विद्यालय के मीडिया समन्वयक अखिलेश कुमार श्रीवास्तव सहित विभिन्न महावीरी विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

जन मीडिया व सामाजिक क्रांति का दस्तावेजीकरण आवश्यक : अनिल चमड़िया

पटना : वैकल्पिक मीडिया और तमाम सामाजिक क्रांति का दस्तावेजीकरण होना आवश्यक है। हिंदी मीडिया को मुख्यधारा की मीडिया कहने से पहले यह देखना जरूरी है कि क्या वह अपने लोकतांत्रिक व सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है? क्योंकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आर्टिकल 19 में परिभाषित किया गया है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

ये बातें हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक व चिंतक अनिल चमड़िया ने कहीं। एएस फाउंडेशन मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित 'अप्पन समाचार' पुस्तक का विमोचन सह परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. (डॉ) संजय कुमार सुमन ने की। मंच संचालन डॉ सुशांत कुमार, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अमृतांज इंदीवर ने किया।

बिहार विधान परिषद सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी में 'अप्पन समाचार' पुस्तक का लोकार्पण पूर्व राज्यसभा सदस्य अली अनवर, वरिष्ठ पत्रकार अनिल चमड़िया, हेमंत कुमार, साइंस कॉलेज पटना की प्राचार्या प्रो. अलका यादव, सीनेटर प्रो. (डॉ) संजय कुमार सुमन और अप्पन समाचार के सूत्रधार संतोष सारंग ने समवेत रूप से किया।

इस मौके पर अप्पन समाचार की रिपोर्टिंग टीम की कम्युनिटी रिपोर्टर सिमरन सहनी, अनिता कुमारी, काजल कुमारी, नेहा कुमारी, प्रियंका कुमारी, गुड़िया कुमारी, रिंकल कुमारी, रिमझिम कुमारी, प्रियंका कुमारी, वंदना कुमारी और नैना सुहानी को सम्मानित किया गया। आज से लगभग दो दशक पूर्व कस्बे में की गई उनकी पत्रकारिता को सभी वक्ताओं ने सराहना की।

मीडिया में हाशिये की बेटियों को आगे लाना अनुकरणीय पहल : पूर्व सांसद

पूर्व राज्यसभा सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार व लेखक अली अनवर ने कहा कि संतोष सारंग ने मीडिया में हाशिये की बेटियों को आगे लाकर एक अनुकरणीय पहल की है। यह महत्वपूर्ण बात है कि सुदूर गांव से अभिवंचित समाज के अंदर से ये बेटियां उभरी हैं, जो मीडिया की व्यापक गहराई को इंगित करता है।

वरिष्ठ कथाकार संतोष दीक्षित ने कहा कि आज की मीडिया कुछ ज्यादा ही सत्ता की मुखापेक्षी होकर रह गई है, जबकि मीडिया का काम सूचना देना और वॉच डॉग की भूमिका निभाना है।

अभिवंचित वर्ग की बेटियां पत्रकारिता के क्षेत्र में नजीर पेश की है : अलका

पटना साइंस कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. अलका कुमारी ने कहा कि आज का दिन खास दिन है। आज से दो दशक पहले हमारे अभिवंचित वर्ग की बेटियों ने सामुदायिक पत्रकारिता के क्षेत्र में जो काम किया, आज उनकी उपलब्धियां पूरे समाज के लिए नजीर पेश करने वाली है।

पत्रकार हेमंत कुमार ने कहा कि आज मुख्यधारा की मीडिया जनता के साथ नहीं खड़ी है। ऐसे में सोशल मीडिया ही वह प्लेटफार्म है, जो जनता के सवालों को उसकी समग्रता में सामने लाने का काम कर रहा है।

कार्यक्रम के अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रोफेसर (डॉ) संजय कुमार सुमन ने कहा कि अप्पन समाचार समाज और सत्ता के घातक प्रश्नों के खिलाफ आवाज उठाने की एक सशक्त आवाज का खूबसूरत डॉक्यूमेंटेशन है। उन्होंने कहा कि जातियों में बंटे भारतीय समाज में जबतक जातियों के अंदर का श्रेष्ठता बोध खत्म नहीं होगा, समाज का भला होने वाला नहीं है। अप्पन समाचार के संस्थापक संतोष सारंग ने अप्पन समाचार के पूरे कांसेप्ट को लेकर विस्तार से अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यधारा की मीडिया में गांव-जवार और जनता के मुद्दे की उपस्थिति बहुत कम है। हमने आज से दो दशक पहले अप्पन समाचार के माध्यम से मुजफ्फरपुर से जो प्रयोग किया था, उसका गहरा असर समाज में देखा गया।

इस मौके पर स्त्रीकाल के संपादक संजीव चंदन, कवि व लेखक मुसाफिर बैठा, युवा कवि अरविंद पासवान, अरुण नारायण, आरएन कॉलेज में हिंदी की सहायक प्राध्यापक डॉ सोनल, डॉ रिंकु कुमारी, वरिष्ठ पत्रकार प्रभात कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता भीष्म कुमार, डॉ हेमनारायण विश्वकर्मा, भूपाल भारती, डॉ अविनाश कुमार, सिद्धांत सारंग, शत्रुघ्न साहू, फुलदेव पटेल, अजय शर्मा, राकेश साहू, सूर्यकला भारती, प्रतिमा कुमारी समेत दर्जनों प्रोफेसर व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुनी बाबा धर्मशाला में आयोजित गणेश पंडाल में सुंदरकांड का पाठ हुआ संपन्न

बिनय मिश्रा : चक्रधरपुर : श्री श्री किशोर गणेश संघ के द्वारा आयोजित गणेश पूजा पंडाल में आज एकादशी मंगलवार के दिन सुंदरकांड का पाठ आचार्य अनंत पाठक के द्वारा किया गया। संध्या बेला में आयोजित सुंदरकांड पाठ में कई लोग शामिल हुए और सामुहिक रुप से पाठ संपन्न हुआ। विदित हो कि ऐतिहासिक धरोहर स्थल के रूप में पहचाने जाने वाला मुनि बाबा धर्मशाला में 1946 से स्थापित भगवान गणेश की पूजा अर्चना की जा रही है। इस पूजा के अस्सी वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और इस पूजा पंडाल में मनमोहन पाठक और अश्विनी पाठक के पश्चात अब आचार्य अनंत पाठक पूजा अर्चना कर रहे हैं। आज के सुंदरकांड पाठ में काफी संख्या में भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

गोल्फ ग्राउंड बचाने के लिए सड़क पर उतरे सैकड़ों बच्चे

धनबाद : रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) को खेल गतिविधियों के लिए सुरक्षित रखने की मांग को लेकर मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में बच्चे और युवा सड़क पर उतर आए। बच्चों ने गोल्फ ग्राउंड से रणधीर वर्मा चौक तक पैदल मार्च निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान बच्चे हाथों में मैदान को मेला मुक्त रखने की मांग से जुड़े पोस्टर और तख्तियां लेकर पहुंचे और जिला प्रशासन व नगर निगम के फैसले को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन कर रहे बच्चों और युवाओं ने कहा कि रणधीर वर्मा स्टेडियम शहर का प्रमुख खेल मैदान है।

सूरज की रोशनी से रोशन होगा बिहार : मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में दीप प्रज्वलित कर ऊर्जा विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर मुख्यमंत्री सोलर प्रोत्साहन योजना का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत केंद्र सरकार की सहायता के साथ अब बिहार सरकार भी लाभार्थियों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देगी। 1 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने वाले लाभार्थी को केंद्र सरकार से मिलने वाली 30 हजार रुपये की सहायता के अतिरिक्त बिहार सरकार की ओर से 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। 2 किलोवाट पर केंद्र की 60 हजार रुपये की सहायता के साथ राज्य सरकार 20 हजार रुपये और 3 किलोवाट पर केंद्र की 78 हजार रुपये की सहायता के साथ बिहार सरकार 20 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से आम लोगों के बिजली खर्च में कमी आएगी और सरकार पर बिजली सब्सिडी का बोझ भी कम होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में वर्तमान में करीब 2.22 करोड़ बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें लगभग 1.94 करोड़ घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें करीब 1.60 करोड़ परिवारों का पिछले एक वर्ष से बिजली बिल शून्य आ रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार बिजली सब्सिडी पर करीब 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। अकेले कृषि क्षेत्र में बिजली सब्सिडी के रूप में करीब 5000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़कर इस राशि की बचत की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों में कृषि फीडरों को 100 प्रतिशत सोलर से संचालित करने की दिशा में काम किया जाएगा ताकि सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली किसानों को उपलब्ध कराई जा सके। इससे किसानों को पर्याप्त बिजली मिलने के साथ ही सरकार को कृषि क्षेत्र में बिजली सब्सिडी के मद में करीब 5 हजार करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। उन्होंने ऊर्जा विभाग को इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बिजली के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। पहले राज्य में करीब 350 मेगावाट बिजली की खपत थी जो आज बढ़कर करीब 10 हजार मेगावाट हो गयी है। अगले पांच वर्षों में राज्य में उद्योगों और अन्य क्षेत्रों की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए 20 हजार मेगावाट बिजली के इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि केवल बिजली उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए ट्रांसमिशन, वितरण, ग्रिड, तार और अन्य आधारभूत संरचनाओं को भी मजबूत करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिन के समय बिजली अपेक्षाकृत सस्ती दर पर खरीदती है, जबकि शाम 6 बजे से रात 10-11 बजे तक 18 से 19 रुपये प्रति यूनिट तक महंगी बिजली खरीदनी पड़ती है। इसलिए सोलर ऊर्जा के साथ पावर स्टोरेज और बैटरी स्टोरेज को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य में सोलर, बैटरी स्टोरेज, पंप स्टोरेज और अन्य ग्रीन एनर्जी सेक्टर में निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन के लिए भी नीति लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इससे बिहार में करीब 16 हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्थानीय निकायों के लिए भी प्रोत्साहन राशि की घोषणा की। जिले में बेहतर प्रदर्शन करने वाली पंचायत को 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसी प्रकार नगर निगम को 1 लाख रुपये, नगर परिषद को 75 हजार रुपये और नगर पंचायत को 50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से गांव-गांव जाकर लोगों को सौर ऊर्जा के फायदे और सरकार की सहायता के बारे में जागरूक करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्षम परिवारों को अपने घरों पर सोलर प्लांट जरूर लगाना

चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं अपने घर पर 13 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास की चर्चा करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने वहां पर पहले से ही 190 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवा रखा है जिसकी वजह से मुख्यमंत्री आवास का बिजली बिल शून्य आता है। उन्होंने कहा कि नेट मीटरिंग की व्यवस्था के माध्यम से घर की जरूरत से अधिक उत्पादित बिजली का लाभ भी उपभोक्ताओं को मिल सकता है। उन्होंने स्मार्ट मीटर का उल्लेख करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत और बिल की सही जानकारी उपभोक्ताओं को मिलती है। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योगों के विस्तार के लिए सस्ती और पर्याप्त बिजली जरूरी है। सरकार सोलर, स्टोरेज, बैटरी और अन्य ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से बिजली क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र की पूरी संरचना की समीक्षा के लिए कमिटी बनाई गई है। कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि बिहार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि 14 करोड़ बिहारवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए सभी विभागों और आम लोगों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में ानून का राज है। अपराधी अपराधी होता है, उसकी कोई जाति नहीं होती। अगर अपराधी पुलिस को चैलेंज करेगा तो पुलिस उसका जवाब देगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऊर्जा ऑडिटोरियम में लगे सौर ऊर्जा से संबंधित विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों का अवलोकन किया और अधिकारियों से जानकारी ली।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य के सभी प्रमंडलों में जन जागरूकता अभियान के लिए 9 सोलर रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम के दौरान पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 25000 लाभार्थियों को अतिरिक्त राज्य वित्तीय सहायता का हस्तांतरण किया गया। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ और प्रतीक चिह्न भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में वितरण कंपनियों एवं जीविका के बीच राज्य में जीविका दीदियों के सहयोग से सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु एम०ओ०यू० पर हस्ताक्षर किया गया। इस मौके पर वीडियो फिल्म के माध्यम से ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों और सौर ऊर्जा

की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुपौल, नालंदा और मुंगेर के लाभार्थियों से बात की और सौर ऊर्जा के उपयोग करने के लिए उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ऊर्जा मंत्री श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, ऊर्जा सचिव, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बी०एस०पी०एच०सी०एल० श्री अजय यादव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हिमांशु शर्मा, एस०बी०पी०डी०सी०एल० के प्रबंध निदेशक श्री सौरभजोरवाल, बी०एस०पी०टी०सी०एल० के प्रबंध निदेशक श्री नवल किशोर चौधरी सहित अन्य अधिकारीगण, योजना के लाभार्थीगण और आमजन उपस्थित थे।

लोक कल्याण मेला में पथ विक्रेताओं को मिलेगा 90 हजार रुपये तक का ऋण

मेटोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : नगर पंचायत हुसैनाबाद में पथ विक्रेताओं एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से लोक कल्याण मेला का आयोजन किया जा रहा है। विशेष कैंप के माध्यम से 1 सितंबर से 30 सितंबर तक पात्र लाभुकों को चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।

योजना के तहत लाभुकों को प्रथम किस्त में 15 हजार रुपये, द्वितीय किस्त में 25 हजार रुपये तथा तृतीय किस्त में 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पथ विक्रेता एवं छोटे व्यवसाय से जुड़े लोग अपने कारोबार को विस्तार देने के साथ रोजगार को भी आगे बढ़ा सकेंगे। नगर पंचायत प्रशासन की ओर से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी वार्ड पार्षदों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पथ विक्रेताओं को योजना की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में लोक कल्याण मेला के विशेष कैंप तक पहुंचाएं। लाभुकों को आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति लेकर नगर पंचायत कार्यालय पहुंचने को कहा गया है।

नगर पंचायत प्रशासन ने सभी जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़कर उन्हें ऋण उपलब्ध कराने में मदद की जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और अपने रोजगार को और मजबूती दे सकें।

छतरपुर में वृद्ध की हत्या का खुलासा, एक गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त टांगी बरामद

संवाददाता

मेदिनीनगर : छतरपुर थाना क्षेत्र के भिखही गांव में हुई हत्या के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त 81 वर्षीय जगदेव भुइयाँ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त टांगी भी बरामद कर जब्त कर ली है।पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर 2026 को गांधी भुइयाँ की धारदार हथियार से हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। मृतक के भाई के आवेदन के आधार पर छतरपुर थाना कांड संख्या 152/2026, दिनांक 20.09.2026, धारा 103(1)/238 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस अधीक्षक पलामू कपिल चौधरी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी छतरपुर प्रशांत कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर अभियुक्त की गिरफ्तारी और मामले की जांच शुरू की गई। इसी क्रम में 22 सितंबर को प्राथमिकी अभियुक्त जगदेव भुइयाँ को गिरफ्तार किया गया।अनुसंधान के दौरान पुलिस के सामने आया कि मृतक गांधी भुइयाँ कथित तौर पर शराब के नशे में अक्सर अपनी पत्नी निर्मला देवी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट करता था। इससे परेशान होकर निर्मला देवी करीब दो-तीन माह पहले अपने मायके चली गई थी। पुलिस के अनुसार, घटना के दिन गांधी भुइयाँ नशे की हालत में अपने ससुर जगदेव भुइयाँ और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने अपनी नतिनी के साथ मारपीट और बदसलूकी करने लगा। इसी दौरान आक्रोशित होकर जगदेव भुइयाँ ने टांगी से प्रहार कर गांधी भुइयाँ की हत्या कर दी।

बाल संरक्षण को लेकर हितधारकों का एकदिवसीय जिला स्तरीय कन्वर्जेन्स वर्कशॉप आयोजित

संवाददाता

चाईबासा : सृजन महिला विकास मंच द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से सोमवार को जिला परिषद् के मीटिंग हॉल, चाईबासा में जिला स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के सदस्यों का एक दिवसीय जिला स्तरीय कन्वर्जेन्स वर्कशॉप बाल संरक्षण हितधारकों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों की पहचान एवं समाधान के लिए विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा बच्चों को शोषण, हिंसा, बाल मजदूरी, बाल विवाह एवं पलायन जैसी परिस्थितियों से बचाकर सुरक्षित एवं खुशहाल बचपन उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डालसा सचिव रवि चौधरी, उद्द्यान केंद्र की मेंटर श्रीमती रीता सिंह तथा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य विकास दोदराजका उपस्थित रहे। इसके अलावा ढछश्२, चाइल्डलाइन, ढडउरड सपोर्ट स्टाफ, मुखिया, पंचायत सचिव, ग्रामीण मुंडा, वार्ड सदस्य सहित बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न हितधारकों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद प्रतिभागियों को बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के गठन की प्रक्रिया, समिति की कार्यप्रणाली, सदस्यों की भूमिका एवं जिम्मेदारियां, बाल अधिकारों की सुरक्षा, बच्चों से जुड़े मामलों की पहचान एवं रिपोर्टिंग तथा समुदाय की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

डालसा सचिव रवि चौधरी ने बाल संरक्षण के मामलों में कानूनी सहायता एवं न्यायिक प्रक्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों का संरक्षण केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समुदाय, पंचायत प्रतिनिधियों, पुलिस, विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल संरक्षण संस्थाओं एवं नागरिक समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों को उपलब्ध विधिक सहायता तथा बाल अधिकारों से संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति समुदाय को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सदस्य, बाल अधिकार संरक्षण आयोग विकास दोदराजका ने कहा कि बाल संरक्षण एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। बच्चों को पलायन, बाल मजदूरी एवं अन्य सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में गांव एवं पंचायत स्तर पर बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों को मजबूत एवं सक्रिय बनाना है। उन्होंने कहा कि यदि समुदाय स्तर पर बच्चों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान की जाए और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए, तो बच्चों को जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से बचाया जा सकता है। उन्होंने बाल संरक्षण के लिए सभी हितधारकों को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने पर जोर दिया।

उद्द्यान केंद्र की मेंटर श्रीमती रीता सिंह ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षित वातावरण के निर्माण में परिवार एवं समुदाय की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की समस्याओं को केवल समस्या के रूप में देखने के बजाय उनके कारणों को समझना और समय रहते आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने बाल संरक्षण से जुड़े सभी हितधारकों के बीच निरंतर संवाद एवं समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता बताई।

संस्था सचिव श्रीमती नर्गिस खातून ने कहा कि सृजन महिला विकास मंच द्वारा लंबे समय से बाल संरक्षण एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समुदाय स्तर पर विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा बच्चों की शिक्षा एवं संरक्षण को मजबूत करने के लिए स्टडी लर्निंग सेंटर (रछउ), रेमेडियल सपोर्ट सेंटर तथा किशोरी संसाधन केंद्र के माध्यम से बच्चों एवं किशोरियों को निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किशोरियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशोरियों के लिए फुटबॉल प्रशिक्षण भी संचालित किया जा रहा है, जिससे वे खेल के साथ-साथ अपने अधिकारों एवं क्षमताओं के प्रति जागरूक हो सकें। वहीं मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार उच्च शिक्षा एवं भविष्य के करियर के लिए बेहतर निर्णय ले सकें।

श्रीमती खातून ने कहा कि बाल संरक्षण केवल बच्चों को जोखिम और शोषण से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, परामर्श एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना भी बाल संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सभी बाल संरक्षण हितधारकों से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए बच्चों की समस्याओं की पहचान, रेफरल, फॉलो-अप एवं समाधान के लिए आपसी समन्वय को और मजबूत करें।

वर्कशॉप के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से बाल मजदूरी, बाल विवाह, बच्चों का पलायन, शोषण एवं हिंसा, ढडउरड से जुड़े मामले, जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान, रिपोर्टिंग तंत्र तथा सरकारी योजनाओं से बच्चों को जोड़ने जैसे विषयों पर जानकारी एवं अनुभव साझा किए गए। प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों को साझा करते हुए उनके समाधान के लिए आपसी समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता जताई।

कार्यक्रम में यह भी जोर दिया गया कि बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियां केवल कागजी रूप से गठित न रहें, बल्कि नियमित बैठक, बच्चों की समस्याओं की पहचान, मामलों की रिपोर्टिंग एवं फॉलो-अप के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्य करें। पंचायत एवं गांव स्तर पर उपलब्ध संस्थाओं एवं हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल से बच्चों से जुड़े मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है। उपरोक्त जानकारी सृजन महिला विकास मंच संस्था के इस्लाम ने दी।